UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून...

4 अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ...

5 प्रदेश का पहला जिला बना बाराबंकी...

6 डीएम-एसपी ने किया चंदन घाट का...

● वर्ष : 09 ● अंक : 51 ● लखनऊ, सोमवार 14 जुलाई 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

20 साल का रिकॉर्ड टूटा

पुल के ऊपर से बह रही मंदाकिनी

करण वाणी न्यूज

चित्रकूट। लगातार 12 घंटे की चित्रकूट व आसपास के क्षेत्र में जोरदार बारिश से मंदाकिनी मानिकपुर की बरदहा नदी में बाढ़ आ गई। दोनों नदियां खतरे के निशान को पार कर गई। मंदाकिनी में 2004 के बाद इतनी बाढ़ एक बार फिर से देखने को मिली। पुल के ऊपर से पानी बह रहा है।मानिकपुर के नाले में ग्रामीण की बह जाने से मौत हो गई। वहीं 30 मंदाकिनी किनारे फंसे 30 श्रद्धालुओं को रेस्क्यू कर निकाला गया।

मंदाकिनी का जलस्तर खतरे के निशान 126.5 मीटर को भी पार कर गया है। 25 छोटे मंदिर व 100 से अधिक दुकानों में पानी भर गया है। कई इलाकों में बड़े पैमाने पर जलभराव होने से सड़क पर नाव चल रही है। बरदहा नदी में बाढ़ आने से रपटे में पानी भर जाने से 10 से अधिक गांवों से संपर्क कट गया है। कल्याणपुर के पुल का एप्रोच मार्ग भी भारी बारिश के चलते बह गया है। धवइया नाला ऊफनाने से छह गांव का संपर्क कटा गया है।

शुक्रवार की रात से लेकर शनिवार की सुबह दस बजे तक लगातार बारिश से मंदाकिनी व बरदहा नदी समेत क्षेत्र के 10 छोटे बड़े नाले ऊफना गए। लगभग 20 किमी के दायरे में बाढ का असर देखने को मिल रहा है। मानिकपुर के बेलहा नाले में बेलहा निवासी राजकिशोर बह गया। लगभग 100 मीटर दूर जाकर ग्रामीणों ने उनका शव नाले से निकाला। कल्यापुर गांव में बने नये पुल के दोनों ओर के एप्रोच मार्ग बह गए हैं। इसके चलते यहां लगभग 20 फीट का गडढा हो गया है। कई गांव की बस्ती में पानी भरा हुआ है। लोग छतों पर शरण लिए हुए हैं।

सावन माह होने से रामघाट से लेकर मंदाकिनी किनारे 30 से अधिक श्रद्धालु बाढ़ में फंस गये। उन्हें बाद में पुलिस की मदद से रेस्क्यू कर निकाला गया। जानकारी होते ही मंडलायुक्त अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस बीच यहां के सभी पुल पर आवागमन पर रोक लगाने के लिए पुलिस कर्मियों को तैनात कर दिया गया है। नदी के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

पुलों और सड़कों पर आवागमन बंद होने के बाद इन इलाकों में आने जाने के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है। इन्हीं नावों से नयागांव प्रमोदवन व जानकीकुंड में फंसे 30 श्रद्धालुओं को भी निकाला गया। रामघाट के बाहर

बनी प्रमुख सड़क (जो यूपी-व एमपी सीमा को मिलाती है) पर पानी भर जाने से आवागमन बंद कर दिया गया। बाढ़ आने से पुरानी बाजार के पुल घाट व शंकर बाजार के सुंदरघाट पर बने मकानों की छतों के ऊपर तक पानी पहुंच गया है।

मत्तगजेंद्र नाथ मंदिर के पुजारी विपिन बिहारी तिवारी व तोतामुखी हनुमान मंदिर के महंत मोहित दास ने बताया कि रात 12 बजे से मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने लगा था। जिसके चलते मठ मंदिरों सहित दुकानों के अंदर पानी घुस गया। मंदिरों की सीढ़ियों के ऊपर तक पानी भरा रहा। इससे पुजारियों ने पूजा अर्चना बंद कर दिया है। वही घाट पर रोजना स्नान करने वाले श्रद्धालु भी अब नहीं पहुंच रहे हैं।

बारिश और भूस्खलन के चलते प्रदेश में दो स्टेट हाईवे समेत 91 सड़क बंद

देहरादून। राज्य में बारिश और भूस्खलन के चलते 11 जिलों में एक बार्डर रोड और दो स्टेट हाईवे समेत 91 सड़क बंद हैं। इसमें सबसे अधिक चमोली और पौड़ी जिले में 19-19 सड़कें हैं। रुद्रप्रयाग में 14, पिथौरागढ़ में 11 सड़क बंद हैं। इसके अलावा टिहरी- उत्तरकाशी में भी नौ-नौ मार्ग बंद हैं। अल्मोड़ा और नैनीताल तीन-तीन, देहरादून में चार मार्ग बंद है। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान में कहा गया कि ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर, पौड़ी, नैनीताल व पिथौरागढ़ जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, इन जिलों में गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने की भी संभावना है।

अब रटने से नहीं समझदारी से मिलेंगे नंबर

करण वाणी न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) अब परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन के तौर-तरीकों में बदलाव करने जा रहा है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने पिछले पांच दिन तक मंथन करने के बाद अपनी मुहर लगा दी है।

अब छात्रों के प्रगति पत्र (रिपोर्ट कार्ड) को केवल अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी समझ, संवेदनशीलता और रचनात्मकता जैसे पहलुओं पर भी तैयार किया जाएगा। इस बदलाव का मकसद छात्रों का समग्र मूल्यांकन सुनिश्चित करना है, ताकि वे सिर्फ रटने तक सीमित न रहें, बल्कि समझदारी से सीखें और अपने व्यवहारिक कौशल को भी विकसित कर सकें।

यूपी बोर्ड के एडिशनल सेक्रेटरी (शोध) डॉ। स्कंद शुक्ल ने बताया कि देश में कुल 66 एजुकेशन बोर्ड

हैं। सभी के परीक्षा पैटर्न और पाठ्यक्रमों में अंतर है। प्रश्नपत्रों के लेवल भी अलग-अलग हैं। यही कारण है कि कॉपियों के मूल्यांकन और अंकों में भी असमानता है।

मूल्यांकन में समानता लाना चाहती है सरकार : भारत सरकार सभी बोर्डों के मूल्यांकन में समानता लाना चाहती है, ताकि बच्चों को मिलने वाले अंकों में भी बहुत असमानता न हो। इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार ने हृष्टश्वऋञ्ज को दी है। हृष्टश्वऋञ्ज ने इस काम के लिए परख का गठन किया है। परख और यूपी बोर्ड की ओर से पिछले पांच दिनों से गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूसी में मंथन चल रहा था।

अन्य बोर्ड से की गई तुलना : यूपी बोर्ड का परीक्षा पैटर्न और पेपर का स्तर अन्य बोर्डों की अपेक्षा कितना कमजोर है, इसपर भी मंथन हुआ। इसमें पाया गया कि बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। कुछ डोमेन हृष्टश्वऋञ्ज परख ने नए क्रिएट किए हैं, जिनमें मूल्यांकन और रचनात्मकता शामिल किए गए हैं। अब प्रश्नों को उन डोमेन में रखना होगा। मूल्यांकन करने वाले और प्रश्न पत्र बनाने वाले टीचर्स को भी प्रश्न उसी अनुरूप रहेंगे। प्रश्नों की संख्या में बदलाव नहीं हो रहा है, बस प्रकार में बदलाव होगा।

डॉ. स्कंद शुक्ल ने बताया कि हम अपने शिक्षकों को भी इसके लिए ट्रेंड करेंगे, ताकि वे बैलेंस प्रश्न तैयार कर सकें। हमें बच्चों को ज्ञान, क्रिएटिविटी और समझ को टेस्ट करना है।

1 सेकेंड में ही कट हो गया था एयर इंडिया विमान का ईंधन

अहमदाबाद हादसे पर एक्सपर्ट का दावा

एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे की रिपोर्ट सामने आने के बाद भारत के टॉप एविशेन एक्सपर्ट्स में से एक कैप्टन मोहन रंगनाथन ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने फ्यूल कटऑफ स्विच और कॉकपिट ऑडियो की ओर इशारा करते हुए कहा है कि ये घटना जानबूझकर की गई किसी चीज का नतीजा हो सकती है।

दरअसल हादसे को लेकर शुरुआती रिपोर्ट में सामने आया है कि विमान के दोनों ईंधन स्विच एक साथ कटऑफ हो गए थे। इसके अलावा कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट दूसरे से ये पूछता सुना गया कि तुमने फ्यूल क्यों बंद कर दिया जबकि दूसरा पायलट जवाब देता है कि उसने ऐसा नहीं किया। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक जब कैप्टन रंगनाथन से पूछा गया कि क्या पायलटों में से किसी ने जानबूझकर ईंधन बंद कर दिया था, यह जानते हुए भी कि ऐसा करने से दुर्घटना हो सकती है। इस पर उन्होंने कहा, बिल्कुल ऐसा संभव है। उन्होंने कहा, यह काम हाथ से ही करना पड़ता है।

रिपोर्ट में क्या गया?

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा विमान रनवे के कुछ मिनटों बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और एक हॉस्टल की इमारत से जा टकराया था। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी जबकि विमान में मौजूद केवल एक शख्स इस हादसे में बचा था। इस हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि उड़ान संख्या 171 के लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ पलों बाद ऊंचाई खो रहे उस विमान के एक पायलट ने देखा कि कॉकपिट में लगे ईंधन वाले दोनों स्विच बंद है। पायलटों ने स्विच चालू कर दिए थे, लेकिन समय इतना कम था और विमान इतना नीचे चला गया था कि वह फिर ऊपर उठ नहीं पाया और नीचे एक हॉस्टल से टकरा गया। दुर्घटना के एक महीने बाद जारी एजेंसी भारतीय वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएसआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के मुताबिक कॉकपिट संभाल रहे दोनों पायलटों में एक ने उस दौरान कहा था- 'तुमने कट ऑफ क्यों किया', इस पर दूसरे का जवाब था- ' मैंने नहीं किया' ! इस बातचीत के बाद कुछ ही पल में सब कुछ खत्म हो गया था। यहां 'कट ऑफ' से मतलब विमान के दोनों इंजनों को ईंधन की सप्लाई करने वाले सिस्टम को चालू और बंद करने के लिए कॉकपिट में लगे दोनों स्विच बंद होने से था। पहले पायलट के सवाल के जवाब में दूसरे का कहना था कि उसने स्विच बंद नहीं किए थे।

लखनऊ बना देश का तीसरा सबसे साफ शहर

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। कभी स्वच्छता की दौड़ में पीछे रहने वाला लखनऊ अब देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार है। स्वच्छ सर्वेक्षण2024 की सूची में लखनऊ ने 44वें स्थान से सीधे तीसरा स्थान हासिल करके सबको चौंका दिया है।केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी सर्वेक्षण में अहमदाबाद को पहला और भोपाल को दूसरा स्थान मिला है।

लखनऊ ने पिछली बार की तुलना में 41 पायदानों की छलांग लगाई है,जो ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर लखनऊ नगर निगम को 17 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के टॉप स्वच्छ शहरों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। लखनऊ नगर आयुक्त और उनकी टीम को आमंत्रण मिल चुका है। लखनऊ की इस उपलब्धि के पीछे नगर निगम के सतत प्रयास और प्रशासन की जिम्मेदारीपूर्ण रणनीति प्रमुख रही है।कूड़ा प्रबंधन को सुधारने के लिए घरों से कूड़ा छंटाई की व्यवस्था की गई।वार्ड स्तर पर नियमित सफाई, गीले-सूखे कूड़े की अलग-अलग व्यवस्था और डिजिटल निगरानी जैसे कदमों ने पूरे शहर की तस्वीर बदल दी।मेयर ने खुद निरीक्षण कर खामियों को सुधारा।अभी जोन-4 में गंदगी मिलने पर सुपरवाइजर और जोनल इंचार्ज को फटकारा था। बदलाव में लखनऊ की जनता की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही।खुले में कूड़ा फेंकने पर रोक और कूड़े की छंटाई को लेकर लोगों में बढ़ी जागरूकता ने स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का रूप दिया।लोग खुद सफाई के प्रति संवेदनशील बने जिसका सीधा लाभ शहर को मिला।

हिंदी में बात करें या मराठी में?

उज्ज्वल निकम को फोन कर हंसने लगे पीएम मोदी, दी आरएस भेजने की जानकारी

एजेंसी

मुबंई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मशहूर वकील उज्ज्वल निकम को राज्यसभा के लिए नामित किया है। निकम 26/11 मुंबई आतंकी हमला मामले में सरकारी वकील रह चुके हैं। निकम ने बताया कि उन्हें राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किए जाने की जानकारी सबसे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन किया और मराठी में बात की। निकम ने कहा, शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे नॉमिनेशन की जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम हिंदी में बात करें या फिर मराठी में? इसके बाद दोनों ही हंसने लगे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मुझसे मराठी में ही बात की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने मुझे एक जिम्मेदारी दी है। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा के लिए

नामांकन के बारे में बताया। मैंने भी इस नॉमिनेशन को सहर्ष स्वीकार कर लिया। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, इतिहासकार मीनाक्षी जैन और शिक्षक व राजनेता सी सदानंदन मास्टर को राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'श्री उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं, बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय के प्रयासों में भी सबसे आगे रहे हैं।'

'हिंदी बोलूंगा' कहने वाले ऑटो चालक से बदसलूकी

मुबंई। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। यहां पर पालघर जिले में एक ऑटो चालक को मराठी विरोधी टिप्पणी के लिए पीटा गया है। यह मारपीट उद्धव ठाकरे सेना गुट के कार्यकर्ताओं ने की है। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं द्वारा ऑटो चालक के साथ बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले इस ऑटो चालक का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में एक व्यक्ति उससे पूछ रहा था कि वह मराठी क्यों नहीं बोल रहा है। इसके जवाब में यह ड्राइवर बार-बार कह रहा था कि वह हिंदी बोलेगा।

पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने वीडियो देखा है लेकिन अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, इसलिए अभी कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने वीडियो देखा है लेकिन अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, इसलिए अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के एक स्थानीय पदाधिकारी ने दावा किया कि ऑटो चालक को सबक सिखाया गया है और कहा कि मराठी भाषा और राज्य का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

पुरी में एच5एन1 वायरस से हड़कंप

सरकारी आदेश पर 6700 मुर्गियां मारी

एजेंसी

पुरी। ओडिशा के पुरी जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन ने तत्काल आपातकालीन नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, संक्रमण को रोकने के लिए 6700 से अधिक मुर्गियों को मारा गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले एक हफ्ते से गांव में मुर्गियों की रहस्यमयी मौतें हो रही थीं, लेकिन बर्ड फ्लू की पुष्टि तब हुई जब ग्रामीणों ने चिंता जताई और प्रशासन ने सैंपल लिए। जानकारी के अनुसार, पुरी जिले के डेलंगा ब्लॉक के बड़ा अंकुला गांव में बीते हफ्ते मुर्गियों की असामान्य मौतें देखने को मिली थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर 9 जुलाई को लिए गए सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज भेजे गए थे। रिपोर्ट में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई। पुरी के मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारी शरत कुमार बेहेरा ने बताया कि क्षेत्र में 5 रैपिड रिस्पॉन्स टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया, संक्रमित क्षेत्र में जीवित पक्षियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सभी संक्रमित पक्षियों को 1 किलोमीटर के दायरे में मारने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

बेख़ौफ़ भू माफ़िया: प्रसाद मेडिकल कॉलेज ने मिट्टी डालकर पाट दी सई नदी

खतरे में सई नदी का अस्तित्व, प्रसाद मेडिकल कॉलेज का सई नदी पर अवैध क़ब्ज़ा

लखनऊ-कानपुर रोड पर सई नदी के किनारे स्थित प्रसाद मेडिकल कॉलेज ने नदी की ज़मीन मिट्टी डालकर पाट दी

पंकज सिंह चौहान

करण वाणी, न्यूज़। लखनऊ-कानपुर रोड पर बनी गाँव में स्थित श्री रेतेश्वर मंदिर के निकट सई नदी का अस्तित्व खतरे में है। भूमाफिया प्रसाद मेडिकल कॉलेज ने नदी के तट का हिस्सा क़ब्ज़ा कर लिया, जिस पर दिन-प्रतिदिन अवैध निर्माण होता जा रहा है। अगर अफसरों ने इसी प्रकार चुप्पी साधे रखी तो आने वाले दिनों में नदी पर प्रसाद मेडिकल कॉलेज का अवैध क़ब्ज़ा होगा। तालाब, चकमार्ग और ग्रामसमाज की जमीन पर अवैध कब्जा पर अधिकारियों की नजर है, मगर कानपुर रोड पर बनी गाँव स्थित श्री रेतेश्वर मंदिर से गुजरने वाली सई

नदी के अस्तित्व को कोई देखने वाला नहीं है। बारिश में नदी के उफान से घर डूब जाए, मगर प्रसाद मेडिकल कॉलेज ने सई नदी की ज़मीन पर अवैध क़ब्ज़ा करके उस पर मिट्टी डालकर पटान शुरू कर दी है जिससे सई नदी पर बने पुल की तीन मोहरि बंद हो रही है। मोहरियों के बन्द होने से नदी का प्रवाह रुक जायेगा और बरसात में बनी गांव डूबने की स्थिति होगा। यह कार्य न केवल नदी के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित कर रहा है बल्कि इससे क्षेत्र के पर्यावरण और स्थानीय निवासियों के हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आश्चर्य की बात तो यह है कि विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता भी प्रसाद मेडिकल कॉलेज द्वारा सई नदी पर किए जा रहे अवैध क़ब्ज़े को नहीं दिख रहे हैं। जबकि सामान्य व्यक्ति के नींव खोदते ही पहुंचकर उन्हें क़ानून का पाठ पढ़ाने लगते हैं।

विधायक राजेश्वर सिंह ने जिलाधिकारी को लिखा पत्र

सरोजनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने जिलाधिकारी लखनऊ को पत्र लिखकर प्रसाद मेडिकल कॉलेज द्वारा सई नदी की मोहरि बंद किए जाने को लेकर कार्रवाई की माँग की। विधायक ने पत्र में लिखा ग्राम बनी से गुजर रही प्राचीन एवं जीवनदायिनी सई नदी के पुल की मोहरियों को प्रसाद इंस्टिट्यूट एंड मेडिकल साइंस कॉलेज प्रबंधन द्वारा अवैध रूप से बंद किया जा रहा है। इस अवरोध के कारण नदी का प्राकृतिक जलप्रवाह रुकने की आशंका है, जिससे आगामी वर्षा ऋतु में पूरे गांव में जलभराव और डूब की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही, यह कार्य पर्यावरण संतुलन व ग्रामवासियों के हितों के प्रतिकूल भी है। कृपया उक्त स्थल का स्थलीय निरीक्षण कराते हुए हो रहे अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से रुकवाया जाए तथा जाँचोंपरान्त नदी पर हो चुके अवैध अतिक्रमण को हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह को अवरोधित होने से रोका जा सके एवं ग्रामवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

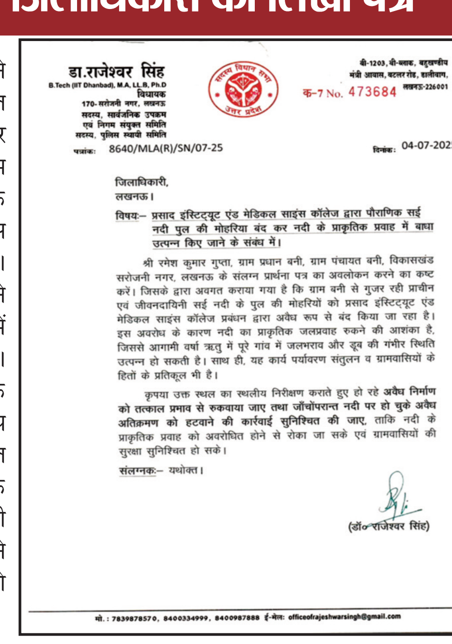

डा.राजेश्वर सिंह
B.Tech (IIT Dhanbad), M.A, LL.B, Ph.D
विधायक
170-सरोजनी नगर, लखनऊ
सदस्य, सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति
सदस्य, पुलिस स्थायी समिति

बी-1203, बी-ब्लाक, बहुखण्डीय मंत्री आवास, बटलर रोड, हालीवाग, लखनऊ-226001

क्र-7 No. 473684

पत्रांक: 8640/MLA(R)/SN/07-25 दिनांक: 04-07-2025

जिलाधिकारी,
लखनऊ।

विषय:- प्रसाद इंस्टिट्यूट एंड मेडिकल साइंस कॉलेज द्वारा पौराणिक सई नदी पुल की मोहरिया बंद कर नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न किए जाने के संबंध में।

श्री रमेश कुमार गुप्ता, ग्राम प्रधान बनी, ग्राम पंचायत बनी, विकासखंड सरोजनी नगर, लखनऊ के संलग्न प्रार्थना पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें। जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्राम बनी से गुजर रही प्राचीन एवं जीवनदायिनी सई नदी के पुल की मोहरियों को प्रसाद इंस्टिट्यूट एंड मेडिकल साइंस कॉलेज प्रबंधन द्वारा अवैध रूप से बंद किया जा रहा है। इस अवरोध के कारण नदी का प्राकृतिक जलप्रवाह रुकने की आशंका है, जिससे आगामी वर्षा ऋतु में पूरे गांव में जलभराव और डूब की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही, यह कार्य पर्यावरण संतुलन व ग्रामवासियों के हितों के प्रतिकूल भी है।

कृपया उक्त स्थल का स्थलीय निरीक्षण कराते हुए हो रहे **अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से रुकवाया जाए तथा जाँचोंपरान्त नदी पर हो चुके अवैध अतिक्रमण को हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए**, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह को अवरोधित होने से रोका जा सके एवं ग्रामवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संलग्नक:- यथोक्त।

(डॉ० राजेश्वर सिंह)

मो.: 7839878570, 8400334999, 8400987888 ई-मेल: officeofrajeshwarsingh@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

पिलर से टकराई बस, आठ यात्री घायल

सरोजनीनगर। कानपुर से चारबाग आ रही उन्नाव डिपो की बस बंथरा के पास फ्लाईओवर के पिलर से टकरा गई। हादसे में आठ यात्रियों को मामूली रूप से चोटे आईं। कार को बचाने के चक्कर में यह घटना हुई। उन्नाव डिपो की बस कानपुर और उन्नाव से 20 सावरियां लेकर चारबाग डिपो आ रही थी। बंथरा में सरोज पाइप उद्योग के पास कार से हल्का टकरा गई, जिससे बस अनियंत्रित हो गई। हालांकि बस को रोकने के लिए चालक ने ब्रेक लगाया तब तक वह फ्लाईओवर के पिलर संख्या 37 से टकरा गई। इससे पहले यात्री संभल चुके थे। फिर भी आठ यात्रियों को मामूली चोटें आईं। यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया। कुछ यात्री निजी सवारी वाहन से चले गए।

पॉलीटेक्निक संस्थानों में नया सत्र कल से

लखनऊ। पॉलीटेक्निक संस्थानों में नया सत्र मंगलवार से शुरू होगा। दूसरे और अंतिम वर्ष की कक्षाएं 15 जुलाई से संचालित की जाएंगी। शासन ने सभी पॉलीटेक्निक संस्थानों को निर्देश जारी किये हैं कि नए सत्र के पहले दिन छात्रों का स्वागत किया जाएगा। जबकि पहले वर्ष की कक्षाएं एक अगस्त से चालू होंगी। नए सत्र शुरू होने के साथ ही रैगिंग रोकने के लिए संस्थाओं को रैगिंग विरोधी दस्ते का गठन करने को कहा गया है। इस दस्ते में सभी विभागों के वरिष्ठ शिक्षक, छात्रावास अधीक्षक, वर्कशाप अधीक्षक को शामिल होंगे। एंटी रैगिंग हेल्पलाइन नम्बर जारी किया जाएगा। प्राविधिक शिक्षा परिषद के सचिव अजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार से पॉलिटेक्निक संस्थानों का नया सत्र शुरू किया जा रहा है। हालांकि जो छात्र परीक्षा के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण (इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग) में भाग ले रहे हैं। उन्हें 25 जुलाई तक कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है। केवल उन्हीं छात्रों को कक्षाओं में प्रवेश मिलेगा। जो 25 जुलाई तक अपने औद्योगिक प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। शासन ने सभी पॉलिटेक्निक संस्थानों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि इसका पालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने बताया कि नए सत्र के साथ पॉलिटेक्निक संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और छात्रों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी संस्थानों को समय पर कक्षाएं शुरू करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां पूरी करने को कहा गया है।

पावर ऑफिसर्स 15 को करेंगे आरक्षण बचाओ सम्मेलन

लखनऊ। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की वजह से समाप्त होने वाले 16 हजार आरक्षित पदों को बचाने के लिए पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन 15 जुलाई को आगरा में आरक्षण बचाओ सम्मेलन करेगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष आरपी केन ने कहा कि निजीकरण से आरक्षित वर्ग के 16 हजार पद समाप्त हो जाएंगे। संगठन ऐसा होने नहीं देगा। यह आरक्षित वर्ग के अधिकारों पर हमला है। नौ जुलाई को केस्को और 11 जुलाई को पूर्वांचल में इस संबंध में एक अहम बैठक हुई थी। इसी क्रम में 15 जुलाई को आगरा में प्रतिनिधि सम्मेलन बुलाया गया है, जिसमें आरक्षण बचाने के लिए आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया जाएगा। पदों को समाप्त होने से बचाने के लिए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने समर्थन का ऐलान किया है। ऐसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश के सभी सरकारी विभाग इस मुहिम में साझा रणनीति के तहत आंदोलन आगे बढ़ाएंगे। पहले पदोन्नतियों में आरक्षण छीना गया और अब नौकरी भी खत्म करने की साजिश रची जा रही है। इसके किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रक्षामंत्री जी महंगी न करें बिजली-व्यापारी

लखनऊ। लखनऊ के व्यापारियों ने आज रविवार सुबह लखनऊ के सांसद और देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की और गुहार लगाई कि बिजली और न महंगी करें। राजनाथ सिंह ने भी व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग को ऊपर तक पहुंचाएंगे। व्यापारी अशोक कुमार मोतियानी, अनिल बजाज मुलाकात के बाद बताया कि मौजूदा समय में बिजली के दाम बढ़ाया जाना अनुचित होगा। पहले बाजारों से बिजली के मक्कड़जाल को हटाए जाने की जरूरत है। व्यापारियों ने ने रक्षा मंत्री से कहा कि लखनऊ के व्यस्त बाजारों के अंदर खराब सड़के बनाई जानी चाहिए जिससे आने जाने वालों को दिक्कत न हो। अमीनाबाद और प्रताप मार्केट की सड़के बहुत खराब , इसेजल्द से जल्द बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाम और पार्किंग की समस्याएं विकराल हो चुकी। बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी हैं। इससे ग्राहक ऑनलाइन की तरफ आकर्षित हो रहा है और बाजारों से खरीदार गायब होता जा रहा है।

बारिश से कई इलाकों में बिजली गुल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार देर रात हुई तेज बारिश के बाद रविवार को लोगों को बिजली संकट से जूझना पड़ा। इंदिरा नगर स्थित भूतनाथ मार्केट में बिजली गुल हो गई। बिजली कटते ही बाजार में व्यापार चौपट हो गया। नाराज व्यापारियों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। व्यापारियों का कहना है कि बारिश के नाम पर हर बार बिजली गुल हो जाना आम बात हो गई है, जिससे न सिर्फ व्यापार प्रभावित होता है, बल्कि ग्राहक भी परेशान होकर लौट जाते हैं। इस बार भी हालात कुछ ऐसे ही है। अलीगंज सेक्टर ए में भी लोगों ने बिजली संकट का सामना किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात 12 बजे से लेकर सुबह 4 बजे तक बिजली पूरी तरह गुल रही। यही नहीं, सुबह भी करीब 30 मिनट की कटौती ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। गर्मी और उमस से बेहाल बच्चों और बुजुर्गों को रातभर नींद आई। कॉलोनीवासियों ने गली में टहलते हुए किसी तरह रात काटी। जब लोग परेशान होकर 1912 हेल्पलाइन पर कॉल करने लगे, तो उन्हें बताया गया कि उनका पावर स्टेशन पुरनिया है, जहां से अब तक कोई अपडेट नहीं मिला है। दो घंटे बाद फिर कॉल करने पर जानकारी दी गई कि 33 केवी लाइन में फॉल्ट आया है।

सूचना आयुक्त ने रक्षामंत्री को भेंट की पुस्तक

लखनऊ। राज्य सूचना आयुक्त डॉ. दिलीप अग्निहोत्री ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से कालिदास मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात करके उन्हें अपनी पुस्तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति का मंच भेंट की। डॉ. अग्निहोत्री ने बताया कि इस पुस्तक में विगत कुछ वर्षों के दौरान भारतीय विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का विश्लेषण किया गया गया। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मंच पर भारत के प्रभाव और भूमिका का विस्तार हुआ है। भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक तत्व का भी समावेश किया गया। यह एक बड़ा बदलाव था, जिससे राष्ट्रीय गौरव और स्वाभिमान की वृद्धि हुई है।

क्लीनिक से चोरी का आरोपी नौकर नेपाल बार्डर से गिरफ्तार

लखनऊ। महानगर में डॉक्टर के क्लीनिक से लाखों की चोरी करने वाले नौकर को पुलिस ने घटना के बाद चंद घंटों में भारत-नेपाल सीमा पर बहराइच के रूपईडीहा से गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी के माल सहित नेपाल भागने की फिराक में था। पुलिस ने चोरी की गई नकदी, जेवर भी बरामद कर लिया है। आरोपी उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर का रहने वाला है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त को जेल भेज दिया गया है। महानगर के छन्नीलाल चौराहा बी-70 मकान में डॉ. लुबना कमाल क्लीनिक चलाती हैं। उन्होंने शनिवार को महानगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस के मुताबिक डॉ. लुबना ने दी गई तहरीर में बताया कि क्लीनिक से शुक्रवार रात एक लाख 47 हजार 30 रुपये, हार, पायल, अंगूठी सहित लाखों के जेवर चोरी हो गए। चोर ने उनके घर में टीवी, पंखा आदि सामान भी तोड़ दिया। उन्होंने उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के शंकर एन्क्लेव वार्ड-एक निवासी नौकर मिशेल कपूर पर चोरी की आशंका जताई। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो उसमें मिशेल कपूर के चोरी करने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस के सहारे मिशेल को ट्रेस किया। उसकी लोकेशन बहराइच में मिली। पुलिस की टीम बहराइच भेजी गई। पुलिस ने मिशेल को भारत-नेपाल सीमा पर रूपईडीहा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मिशेल नेपाल भागने की फिराक में था। तभी दबोचा गया। उसके कब्जे से चोरी किया गया माल बरामद हुआ है। पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

नाले में बहे व्यक्ति की 28 घंटे बाद डेडबॉडी मिली

जेई सस्पेंडय एई को नोटिस, ठेकेदार ब्लैकलिस्ट

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को बारिश के दौरान तेज नाले में बहे सुरेश की 28 घंटे बाद डेडबॉडी मिली। वह ठाकुरगंज के राधाग्राम से नाले में बह गया था। घटनास्थल से करीब 1 किमी दूर आईआईएम रोड बंधा के पास उसकी बॉडी रविवार को मिली। इस घटना में नगर आयुक्त ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई कर दी है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया जेई रमन कुमार को निलंबित कर नाले की सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र में निरीक्षण की जिम्मेदारी उनकी थी। कमांड कंट्रोल नंबर और आईजीआरएस पर शिकायत होने पर भी कार्रवाई नहीं की गई है। एई आलोक कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सफाई के ठेकेदार अंकित कुमार और उनकी

संस्था अनिका इंटर प्राइजेज को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। कंपनी पर पेनल्टी भी लगेगी। वेंडर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। सुरेश की जहां डेडबॉडी मिली वहां से थोड़ी दूर पर नगर निगम की टीम भी रेस्क्यू कर रही थी, लेकिन डेडबॉडी बुद्धा नाम के स्थानीय व्यक्ति को मिली। परिजनों ने कहा नगर निगम वालों ने नहीं, हमारे घरवालों ने डेडबॉडी ढूंढी है। किसी ने कोई मदद नहीं की है। मृतक सुरेश की पत्नी रेणु ने कहा बच्चों को देखने वाला कोई नहीं है। हमें 50 लाख का मुआवजा चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को संज्ञान लिया। उन्होंने नगर निगम के लापरवाह अफसरों पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। मृतक सुरेश के परिजनों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का भी ऐलान किया। घटना के बाद से लगातार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्वेज इंडिया की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया था। 28 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चला। शनिवार को चीफइंजीनियर महेश वर्मा ने कहा था कि पता नहीं यह सही बात है या झूठ कि सुरेश गिरा है या नहीं। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा था कि जगह-जगह नाले में खोजने के लिए टीमें लगाई गई हैं। जेसीबी मशीनों के साथ 100 से ज्यादा लोगों की टीम तैनात की गई।

जालसाज ने वनकर्मी समेत चार के खाते से 5.25 लाख हड़पे

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। साइबर जलसाज ने वनकर्मी समेत चार के खाते से 5.25 लाख रुपए उड़ा लिए। पीड़ितों ने गाजीपुर, गोमतीनगर विस्तार, कृष्णानगर व गुड़ंबा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। इंदिरानगर के शीशम बाग कॉलोनी निवासी वनकर्मी इंद्रेश कुमार सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को पूर्व रिटायर्ड अधिकारी का फेसबुक मैसेंजर पर मैसेज आया। मैसेज में लिखा था परिचित सैन्य अधिकारी का ट्रांसफर हो गया है। कुछ सामान सस्ते में बेच रहे हैं। आपका नंबर दिया है, समझ में आए तो खरीद लीजिएगा। इसके बाद जालसाज ने बातों में फंसाकर क्यूआर कोड भेजकर 1.73 लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने गाजीपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं, गोमतीनगर विस्तार स्थित सरस्वती पुरम निवासी चित्रा श्रीवास्तव के मुताबिक कुछ दिन पहले उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग की थी। सामान पसंद न आने पर ऑनलाइन कस्टमर केयर नंबर हासिल किया था। पसंद न आने पर रिफंड के लिए उन्होंने गूगल से कस्टमर केयर का नंबर हासिल कर कॉल की थी। फोनकर्ता ने बातों में फंसाकर जानकारी हासिल की। इसके बाद खाते से 99 हजार रुपए पार कर दिए। वहीं, कृष्णानगर के एलडीए कॉलोनी सेक्टर-डी निवासी एकता श्रीवास्तव के मुताबिक उनके पास एक फोन आया। फोनकर्ता ने एयरटेल कस्टमर केयर कर्मी बताकर एयरटेल एप की परमिशन लेकर मोबाइल हैक कर लिया। उसके बाद खाते से 1.59 रुपये निकाल लिए। वहीं, मूलरूप से सिद्धार्थनगर निवासी मिताली मिश्रा गुड़ंबा के यूनिटी सिटी में रहती हैं। मिताली के मुताबिक जालसाज ने व्हाट्सएप पर मैसेज कर पार्ट टाइम जॉब का झांसा दिया। इसके बाद खाते से 94 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

असलहों के साथ दो युवकों का वीडियो वायरल

लखनऊ। सोशल साइट पर असलहों के साथ वीडियो वायरल होने के मामले थम नहीं रहे हैं। रविवार को दो युवकों की असलहों के साथ इंस्टाग्राम एकाउंट पर पोस्ट की गई वीडियो वायरल हुई है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो काकोरी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जिसमें दो युवक डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक युवक ने पीली टीशर्ट व ब्लू जींस पहन रखी है। दूसरा युवक शर्ट व ब्लू जींस पहने है। पीली टीशर्ट पहने युवक दोनों हाथों में असलहे लिए हुए दिखाई दे रहा है। वह अपने दूसरे दोस्त को गले लगा कर डांस कर रहा है। वीडियो में, हम यूपी के लौंडे हैं, हम न दबते हैं, न डरते हैं। गाना भी सुनाई दे रहा है। असलहों के साथ दोनों युवकों की वायरल वीडियो का पुलिस ने संज्ञान लिया है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र का कहना है कि असलहों के साथ युवकों की वायरल वीडियो मामले की जांच कराई जा रही है। चिह्नित कर युवकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केकेसी में प्रवेश के लिए अब 16 जुलाई तक आवेदन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज (केकेसी) में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों की 3860 सीट पर एडमिशन के लिए अब 16 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले यह तिथि 13 जुलाई तय की गई थी। अभ्यर्थी कॉलेज की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में प्राचार्य की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्राचार्य प्रो. विनोद चंद्र ने बताया कि प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट में जेएनपीजी एडमिशन 2025-26 पर जाकर एप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करके आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन शुल्क एक हजार रुपए जमा करना होगा। प्रो. विनोद चंद्र के मुताबिक, कॉलेज में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों बीए की 880 रेगुलर व 200 सेल्फ फाइनेंस, बीकॉम में 880 रेगुलर व 200 सेल्फ फाइनेंस, बीएससी बायो की 420, बीएससी मैथ्स में 300, बीएससी कंप्यूटर साइंस की 60, बीएससी सांख्यिकी में 60, बीबीए आईबी की 60 और बीकॉम ऑनर्स में 60 सीट हैं। इसी तरह परास्नातक स्तर में एमए हिन्दी की 60, एमए अंग्रेजी में 50, एमए समाजशास्त्र की 50, एमए अर्थशास्त्र में 50, एमकॉम अप्लाइड इकोनॉमिक्स की 60, एमकॉम प्योर कॉमर्स में 60, एमएससी भौतिकशास्त्र, रसायनशास्त्र व वनस्पतिशास्त्र में 30-30 सीट हैं। इसके अलावा एलएलबी की 320 सीट के लिए भी आवेदन जारी हैं। समस्या आने पर करें कॉल प्राचार्य के अनुसार, फॉर्म भरने में किसी भी तरह की समस्या आने पर अभ्यर्थी चंदन सिंह (9889003068), अनंत विक्रम शुक्ला (8787046728), प्रोफेसर आरके पांडेय (9838732706) और अंशुमाली शर्मा (9415408590) से प्रात~ 10 से सायं पांच बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

भरवारा रेलवे क्रासिंग पर जाम से परेशान लोगों का प्रदर्शन

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। भरवारा रेलवे क्रासिंग, विज्ञान खंड पर लगने वाले जाम से परेशान स्थानीय लोगों ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों ने रेलवे और केंद्र सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर नारेबाजी की। कहा कि क्रासिंग की जाम में फंसकर लोगों की जान जा रही है।

हरदिन करीब 2 लाख लोग जाम में फंसते हैं। रेलवे प्रशासन और केंद्र सरकार सो रही है। इस दौरान लोगों ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। लोगों ने कहा कि यदि जल्द ही फ्लाईओवर या अंडरपास का निर्माण नहीं होगा, तो इसके खिलाफ आंदोलन चलाया जाएगा।प्रदर्शन में शामिल भरवारा निवासी किशन देव ने कहा कि इस फ्लाईओवर न बने होने के कारण हमने अपने ससुर को खो दिया। उन्हें हार्ट अटैक आया था। क्रासिंग बंद था। जाम में फंस गए थे। उन्हें समय से इलाज नहीं मिला था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। क्रासिंग पर फ्लाईओवर न बनने से हमारे जीवन की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। उनका कहना है कि 2023 में रक्षा मंत्री और स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह ने इस फ्लाईओवर का शिलान्यास किया था, लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। यह मामला खुद राजनाथ सिंह के संज्ञान में है और वादा था कि 2026 तक फ्लाईओवर बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन जमीनी स्थिति अब भी जस की तस है। उन्होंने कहा कि, हम जब कहीं भी निकलते हैं तो डर लगा रहता है कि क्रासिंग बंद न हो जाए। रोजाना घंटों जाम लगता है। जाम की वजह से बहस होती है। बच्चे स्कूल देर से पहुंचते हैं। ऑफिस जाने वाले लोग परेशान होते हैं। मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। हम सभी की एक ही मांग है कि जल्द से जल्द फ्लाईओवर या अंडर पास का निर्माण हो। यह प्रदर्शन भरवारा, विज्ञान खंड के निवासियों द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। लोगों ने ÷अब नहीं सहेंगे उपेक्षा, मांगेंगे अपना हक÷ जैसे नारों लगाए। लोगों ने मांग किया कि भरवारा क्रासिंग पर फ्लाईओवर या अंडरपास का तत्काल प्रभाव से निर्माण शुरू किया जाए। सड़क का निर्माण कराया जाए। नियमित साफ-सफाई और सीवर की व्यवस्था की जाए। स्ट्रीट लाइट सही कराई जाए। क्रासिंग बंद होने से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन में शामिल दुर्गेश कुमार वर्मा ने कहा कि हमने यह मुहिम शुरू की है क्योंकि ऑफिस, स्कूल, अस्पताल जाने वालों को रोजाना जाम से जूझना पड़ता है। सुबह बच्चों को स्कूल छोड़ने में देरी हो जाती है। कोर्ट जाना हो या कोई अर्जेंट केस हो, ट्रेनों का इतना दबाव है कि 24 घंटे में लगभग 236 ट्रेनें गुजरती हैं। एक्सीडेंट होते हैं। बहस होती है, लेकिन न तो कोई ट्रैफिक पुलिस आती है, न ही कोई नियंत्रण करने वाला है। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज का कार्य दो बार शुरू हुआ। शिलापट लगाए गए कि 2026 तक कार्य पूरा होगा। मशीनें भी आई लेकिन कुछ दिनों बाद कार्य बंद हो गया। कई लोगों ने मुआवजा न मिलने की शिकायत भी की है। सरकार चाहती तो यह काम जल्द पूरा हो सकता था। जो मांगें हैं, उन्हें पूरा किया जाए।

एअर इंडिया ने टेक ऑफ से पहले 150 यात्रियों को उतारा, जमकर हंगामा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर रविवार सुबह बड़ी घटना टल गई। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, हैदराबाद जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में टेकऑफ से पहले खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत कॉकपिट में तकनीकी खराबी की सूचना एयरलाइंस अधिकारियों और एटीसी को दी। विमान में 150 यात्री सवार हो चुके थे। जानकारी मिलते ही यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। बाद में एयरलाइंस अधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत किया। बाद में उड़ान रद्द कर यात्रियों को फ्लाइट से उतारा गया। फ्लाइट आईएक्स- 2816 को सुबह 8.40 बजे उड़ान भरकर 10.55 बजे हैदराबाद पहुंचना था। इंजीनियरों की टीम ने खराबी ठीक करने की कोशिश की। लेकिन, समस्या हल नहीं हो सकी। कुछ यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजने का

आश्वासन देकर होटल में ठहराया गया। कुछ यात्रियों के टिकट के पैसे वापस कर दिए गए। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से विमान सेवाएं इन दिनों बुरी तरह प्रभावित हैं। अहमदाबाद में पिछले महीने हुए विमान हादसे के बाद से एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों में लगातार गड़बड़ी देखी जा रही है। एयरपोर्ट की मासिक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक महीने में कुल 30 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं, जिनमें सबसे ज्यादा उड़ानें एअर इंडिया की रही हैं।

विकास के नाम पर विनाश का खेल

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार का अवैध निर्माणों के खिलाफ कड़ा रुख लखनऊ में सिर्फ कागजी साबित हो रहा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारी बिल्डरों से सांठगांठ कर शहर को अवैध निर्माणों का गढ़ बना रहे हैं। मई 2025 में प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद के सख्त निर्देशों के बावजूद, एलडीए निष्क्रिय है और अवैध निर्माणों को बढ़ावा दे रहा है।

यह भ्रष्टाचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन के दावों पर सीधे सवाल खड़े कर रहा है। एलडीए में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि आम जनता की मेहनत की कमाई अवैध परियोजनाओं में फंस रही है। अधिकारी और बिल्डर मिलकर शिकायतों को दबा रहे हैं, जिससे कानून का मखौल उड़ रहा है।

जोनल अधिकारी और सहायक अभियंता मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना कर उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसलिए, मुख्यमंत्री को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। दोषी अधिकारियों का निलंबन और कठोर कार्रवाई बेहद जरूरी है। एलडीए में पारदर्शी जांच और सख्त कदमों से ही

जनता का विश्वास बहाल होगा और कानून का राज स्थापित होगा। इस निर्माण का आरोप जोनल एवं सहायक अभियंताओं पर लग रहा है, अधिकारी इस निर्माण को कथित तौर पर संरक्षण दे रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यह निर्माण एलडीए के कई महत्वपूर्ण बिल्डिंग बायलॉज और मास्टर प्लान का उल्लंघन कर रहा है। इसमें तय मानकों से अधिक ऊँचाई, सेटबैक का उल्लंघन या बिना उचित अनुमति के व्यावसायिक उपयोग जैसे कई पहलू शामिल हो सकते हैं। आमतौर पर ऐसे मामलों में एलडीए तुरंत कार्रवाई करता है, जिसमें नोटिस जारी करना, सीलिंग या ध्वस्तीकरण शामिल है, लेकिन इस विशेष निर्माण के मामले में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिल रहा है।'बाजारखाला में नोटिस के बावजूद अवैध निर्माण, प्रशासन की नाकामी उजागर,' बाजारखाला थाना क्षेत्र में अवैध निर्माण ने स्थानीय लोगों में भारी असंतोष पैदा किया है। अवर अभियंता राहुल प्रताप विश्वकर्मा द्वारा जारी नोटिस के सात महीने बाद भी निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है, जो प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाता है। उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 के तहत वाद संख्या-2754 दिनांक 16.12.2024 से विचाराधीन है, लेकिन सीलिंग की कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोग आरोप लगाते हैं कि अधिकारी और कुछ कथित पत्रकार इस अवैध निर्माण को संरक्षण दे रहे हैं। अगर इसे तुरंत नहीं रोका गया, तो यह विशाल अपार्टमेंट बन जाएगा, जिससे जनता को भारी वित्तीय नुकसान होगा।

लोगों का कहना है कि निर्माण पूरा होने पर अधिकारी इसे अवैध बताकर गिराने का नाटक करेंगे, लेकिन अभी इसे रोकने में पूरी तरह विफल हैं। इसलिए, मुख्यमंत्री को भ्रष्ट अधिकारियों पर लगाम कसनी चाहिए। कठोर कार्रवाई और सुधारों से ही उनकी भ्रष्टाचार-विरोधी छवि बरकरार रहेगी और सुशासन की नींव मजबूत होगी।

काकोरी में अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने पर बवाल

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने को लेकर बवाल हो गया। बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रतिमा तोड़ने जाने का विरोध किया। सूचना पर पुलिस पहुंच गई लेकिन लोगों ने उनकी एक न सुनी। वे प्रतिमा को दोबारा बनवाने और तोड़ने वालों की गिरफ्तारी की मांग करते रहे। आखिरकार सुबह प्रशासन ने नई प्रतिमा बनवानी शुरू कर दी। मामला काकोरी थानाक्षेत्र के मौंदा गांव का है। यहां शनिवार शाम डॉ. भीमराव अंबेडकर की 40 साल पुरानी प्रतिमा को किसी अराजकतत्व ने नुकसान पहुंचा दिया। मैदान में खेल रहे बच्चों ने प्रतिमा को टूटी देख गांव में जाकर बताया। इसके बाद गांव के लोग 'जय भीम' के नारे लगाते हुए मौके पर जुट गए। गुस्साए ग्रामीणों ने प्रतिमा स्थल पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और सड़क जाम करने की कोशिश की।

मौके पर पहुंची काकोरी पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराया और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। कुछ देर बाद लोग दोबारा प्रतिमा स्थल पर पहुंच गए। इस बार लोगों ने कुछ मांगें रखीं। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन अपनी मांगों से साथ अड़े रहे। ग्रामीणों ने नई प्रतिमा लगवाने, प्रतिमा के चारों ओर बाउंड्रीवाल बनवाने, स्थल पर बिजली की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे लगवाने और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग पुलिस के सामने रखी। प्रदर्शन के दौरान विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि पहुंचने लगे, जिससे बात बनने के बजाय उलझती चली गई। गांव के लोग जनप्रतिनिधियों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते रहे। इसी के चलते देररात तक विरोध और मान-मनौव्वल का क्रम चलता रहा। मौके पर काकोरी, दुबग्गा और पारा थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही। प्रतिमा स्थल पर रात में ही प्रकाश व्यवस्था करवाई गई। इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने ग्रामीणों को नई मूर्ति जल्द लगाने का आश्वासन भी दिया, लेकिन लोग अन्य मांगों को लेकर डटे रहे। गांववालों की मंशा को देखते हुए प्रशासन रविवार सुबह अंबेडकर की नई प्रतिमा का निर्माण शुरू करा दिया। वहां सारी निर्माण सामग्री ला दी गई है। कुछ लोग काम में लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जैसे ही सूचना मिली थी सबलोग दौड़कर आए थे। हालांकि, प्रशासन ने पूरा सहयोग करते हुए नई प्रतिमा बनवाने की मांग मान ली है।

लखनऊ से दिल्ली जा रही फ्लाइट में खराब खाना परोसा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में खराब खाना परोसा गया। शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष को फ्लाइट में परोसे गए बर्गर में फफूंदी पाई गई। उन्होंने इसकी शिकायत एयरलाइन से की है। यात्री ने तुरंत एयर होस्टेस को इस समस्या से अवगत कराया। एयर होस्टेस ने उन्हें दूसरा बर्गर उपलब्ध कराया। इस घटना के बाद शिवसेना के एक पदाधिकारी ने सोशल मीडिया पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और एयर इंडिया के अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी। शिवसेना प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वह लखनऊ लौटने के बाद इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज करेंगे। यह घटना एयरलाइन की खाद्य गुणवत्ता नियंत्रण पर सवाल खड़े करती है।सरोजनी नगर के सैनिक हाउसिंग सोसाइटी कॉलोनी निवासी ठाकुर अनिल सिंह शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि बीती 11 जुलाई की शाम वह लखनऊ से शाम 8रू55 बजे दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान (एआई 812) के लिए 15580 रुपए का टिकट लेकर विमान पर सवार हुए। उनका कहना है कि वह विमान से दिल्ली जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्हें डिब्बे में पैक बर्गर दिया गया। जब उन्होंने खोलकर देखा तो बर्गर में फफूंदी लगी हुई थी। इस पर उन्होंने एयर होस्टेस से इसकी शिकायत की, लेकिन उसने नजर अंदाज कर दिया। इसके बाद जब अनिल सिंह काफी नाराज हुए तब एयर होस्टेस ने दूसरा बर्गर लाकर दिया। इस मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने अपनी पार्टी के कई पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) बहराइच के आईटी जिला प्रभारी प्रेम कुमार दुबे ने फेसबुक के जरिए इसकी शिकायत केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और एअर इंडिया से शिकायत की।

ग्रामीण-कृषि पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होंगे मिर्जापुर के चयनित गांव

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी अहम जानकारी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध मिर्जापुर अब ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान बना रहा है। यह क्षेत्र न सिर्फ माता विंध्यवासिनी के प्रसिद्ध मंदिर के लिए जाना जाता है, बल्कि आसपास के प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण गांवों के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां पर्यटन की असीम संभावनाएं छिपी हैं। अब इन संभावनाओं को सामने लाने और गाँवों का आर्थिक परिदृश्य बदलने के लिए पर्यटन विभाग एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत कर रहा है। इस योजना के तहत मिर्जापुर, सोनभद्र और भदोही जिलों के चयनित गांवों को ग्रामीण और कृषि पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विशेषज्ञों की सहायता से यह योजना पांच चरणों में लागू की जाएगी, जिसमें पहले चरण में आठ गाँवों को चुना गया है। इन गाँवों में स्थानीय संस्कृति, शिल्प और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन को एक माध्यम बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मिर्जापुर में शुरू हो रही यह पहल केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है। यह एक समग्र सोच पर आधारित योजना है। हर गांव में एक स्थानीय समन्वयक होगा, जिसे जिला और राज्य स्तर की टीमों का सहयोग मिलेगा। इन टीमों में पर्यटन और ग्रामीण विकास के विशेषज्ञ शामिल होंगे। प्रत्येक गाँव में कम से कम चार होमस्टे बनाए जाएंगे, जो आधुनिक सुविधाओं और डिजिटल भुगतान की व्यवस्था से लैस होंगे, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस योजना के तहत स्थानीय हस्तशिल्प को विशेष स्थान दिया गया है। जरी-जरदोजी कढ़ाई, मूंज घास से बनी वस्तुएँ, लकड़ी के खिलौने और अन्य एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) से जुड़े शिल्पों को न सिर्फ प्रदर्शित किया जाएगा, बल्कि गाँवों में विशेष दुकानों के माध्यम से इनका विपणन भी किया जाएगा।

फसल की आवश्यकता के अनुसार प्रदेश में उर्वरक उपलब्ध

कृषि मंत्री ने किसानों से की अपील: भरपूर उर्वरक उपलब्ध, भंडारण न करें

सीएम योगी का निर्देश: किसान सरकार की प्राथमिकता में, शोषण स्वीकार नहीं

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसान सरकार की प्राथमिकता में हैं। उनका शोषण कतई बर्दाश्त नहीं है। प्रदेश सरकार निर्धारित मूल्य (एम0 आर0 पी0) पर किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक की सुगमतापूर्वक उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कटिबद्ध है। उर्वरक के वितरण में असामाजिक तत्वों द्वारा कालाबाजारी/ जमाखोरी/ ओवररेटिंग/टैगिंग आदि से किसान प्रभावित न हों, इस बात का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्यवाही की जा रही है। गुणवतायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता बनाये रखने एवं उचित मूल्य पर वितरण के सम्बन्ध में अधिकारियों द्वारा भी अनुश्रवण किया जा रहा है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरक के बारे में सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि इसकी कहीं भी कोई किल्लत नहीं है। शाही ने इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी भी दी।

1-यूरिया: प्रदेश में विगत वर्ष (खरीफ 2024 में 31 जुलाई, 2024 तक) यूरिया उर्वरक की कुल खपत 18.98 लाख मी0टन हुई थी। खरीफ 2025 में माह जून तक निर्धारित लक्ष्य 12.52 लाख मी0टन के सापेक्ष दिनांक- 10.07.2025 तक 28.56 लाख मी0टन उपलब्ध है, जिसमें से 14.25 लाख मी0टन विक्रय के उपरान्त कृषकों के क्रय हेतु 14.31 लाख मी0टन मात्रा अवशेष है।

2- डी0ए0पी0: प्रदेश में विगत वर्ष (खरीफ 2024 में 31 जुलाई, 2024 तक) यूरिया उर्वरक की कुल खपत 4.38 लाख मी0टन हुई थी। खरीफ, 2025 में माह जून, निर्धारित लक्ष्य 6.60 लाख मी0टन के सापेक्ष दिनांक- 10.07.2025 तक 5.83 लाख मी0टन मात्रा उपलब्ध है, जिसमें से 3.16 लाख मी0टन विक्रय के उपरान्त कृषकों के क्रय हेतु 2.67 लाख मी0टन मात्रा अवशेष है।

3- एन0पी0के0: प्रदेश में विगत वर्ष (खरीफ 2024 में 31 जुलाई, 2024 तक) यूरिया उर्वरक की कुल खपत 1.53 लाख मी0टन हुई थी। खरीफ, 2025 में माह जून, निर्धारित लक्ष्य 2.60 लाख मी0टन के सापेक्ष दिनांक- 10.07.2025 तक 4.26 लाख मी0टन मात्रा उपलब्ध है, जिसमें से 1.37 लाख मी0टन विक्रय के उपरान्त कृषकों के क्रय हेतु 2.89 लाख मी0टन मात्रा अवशेष है।

4- प्रदेश के जनपदों में दैनिक रूप से सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में कृषकों के द्वारा की जा रही उर्वरक क्रय का विवरण निम्नवत है:-

यूरिया:- सहकारिता क्षेत्र में 11284 मी0टन तथा निजी क्षेत्र में 21416 मी0टन कुल 32700 मी0टन यूरिया उर्वरक का क्रय कृषकों के द्वारा की जा रही है।

डी0ए0पी0:- सहकारिता क्षेत्र में 2790 मी0टन तथा निजी क्षेत्र में 3755 मी0टन कुल 6560 मी0टन डी0ए0पी0 उर्वरक का क्रय कृषकों के द्वारा की जा रही है।

एन0पी0के0:- सहकारिता क्षेत्र में 1132 मी0टन तथा निजी क्षेत्र में 2427 मी0टन कुल 3559 मी0टन एन0पी0के0 उर्वरक का क्रय कृषकों के द्वारा की जा रही है।

4- दिनांक 11.07.2025 तक सहकारिता एवं निजी क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता का विवरण:- सहकारिता क्षेत्र के अन्तर्गत रिटेलर क्षेत्र में 114134 मी0टन एवं 192745 मी0टन मात्रा जनपद के गोदामों में उपलब्ध है, इसी प्रकार 1145690 मी0टन मात्रा निजी क्षेत्र में कुल 1425569 मी0टन यूरिया उर्वरक प्रदेश के सभी जनपदों में उपलब्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों की फसल की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक प्रदेश के सभी जनपदों में सहकारी समितियों एवं बिक्री केन्द्रों पर उपलब्ध है। अपनी फसल की आवश्यकतानुसार किसान समय-समय पर उर्वरक क्रय कर प्रयोग कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में उर्वरक का क्रय कर भण्डारित न करें, जिससे अन्य कृषकों को उर्वरक हेतु असुविधा उठानी पड़े।

सीएम ने जनता दर्शन में सुनी 200 लोगों की फरियाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और इनका समाधान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का अनुमानित खर्च मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री शुक्रवार की सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

सावन के पहले दिन योगी ने किया रुद्राभिषेक

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सावन के पहले दिन शुक्रवार सुबह रुद्राभिषेक और हवन किया। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर मुख्यमंत्री ने भगवान शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में भोले शंकर को विल्व पत्र, दूर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया।

मठ के आचार्यगण और पुरोहितगण ने महामंत्रों से रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, ''देवाधिदेव महादेव के प्रिय श्रावण मास के प्रथम दिवस के पावन अवसर पर आज गोरखनाथ मंदिर में विधि विधान से रुद्राभिषेक कर समस्त प्रदेश वासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। शान्ताकारं शिखरिशयनं नीलकण्ठं सुरेशंविश्वाधारं स्फटिकसदृशं शुभ्रवर्णं शुभाङ्गम।गौरीकान्तं त्रितयनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यंवन्दे शम्भुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम।।देवाधिदेव महादेव के प्रिय श्रावण मास के प्रथम दिवस के पावन अवसर पर आज विधि-विधान से रुद्राभिषेक,सावन के प्रथम दिन काशी के शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी ,काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों को क्रमबद्ध तरीके से दर्शन कराए जा रहे हैं। सावन महीने के मद्देनजर वाराणसी पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने बताया कि सावन के प्रथम दिवस पर मंदिर प्रांगण में स्थित भगवान विश्वनाथ, दंडपाणी, एवं भगवान बेकुंठेश्वर के मंदिर शिखर के सामने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गयी। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने भी श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए।

खुले में फेंका कूड़ा तो नगर निगम करेगा कार्रवाई, कटेगा चालान

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सख्त और व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब यदि कोई व्यक्ति घर, दुकान, रेस्टोरेंट या किसी सार्वजनिक स्थान पर खुले में कूड़ा फेंकते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध तुरंत चालान की कार्रवाई की जाएगी। नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा शहर के सभी जोनल सेनेटरी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 और नगर निगम अधिनियम, 1959 के अंतर्गत स्वच्छता संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। नगर आयुक्त य ने हाल ही में स्वच्छता के निरीक्षण के दौरान असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को चेताया और कार्रवाई को तेज़ करने के निर्देश दिए।

घर, दुकान या रेस्टोरेंट से निकलने वाला कूड़ा केवल तय समय और स्थान पर ही डाला जाए। खाद्य विक्रेताओं को अपनी दुकान के आस-पास स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। निर्माण सामग्री, प्लास्टिक और अन्य ठोस कचरे को सार्वजनिक स्थलों पर फेंकना वर्जित है। पोस्टर, बैनर और वाल राइटिंग जैसी गतिविधियों पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी जेडएसओ और एसएफआई को आदेशित किया है कि वे प्रतिदिन सफाई कार्यों की निगरानी करें और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर बिना देरी के कार्रवाई करें। सभी जोनों में सफाईकर्मियों की सक्रियता बढ़ाने, रिपोर्टिंग व्यवस्था मजबूत करने और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। नगर निगम लखनऊ ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें और अपने आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने में निगम का सहयोग करें।

एंटी और टीथर्ड ड्रोन हो रही कांवड़ यात्रा की रियल टाइम मॉनीटरिंग

महाकुंभ की तर्ज पर बनाया गया मार्डन कंट्रोल रूम, हर गतिविधि की 24 घंटे की जा रही मॉनीटरिंग

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए सबसे हाइटेक एंटी ड्रोन और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह और महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए एंटी और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। इतना ही नहीं कांवड़ यात्रा के रूट की जमीन स्तर पर सुरक्षा के लिए एटीएस, आरएएफ और क्यूआरटी जैसे विशेष बलों को तैनात किया गया है।

महाकुंभ के सुरक्षा मॉडल को कांवड़ यात्रा रूट पर अपनाया गया: कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और निगरानी के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग करते हुए तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शासन व पुलिस प्रशासन ने हर स्तर पर कमर कस ली है। कांवड़ यात्रा के रूट पर हाईटेक निगरानी को प्राथमिकता दी गई है। मुख्य कांवड़ मार्गों और प्रमुख स्थानों पर 29,454 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही 395 हाइटेक ड्रोन और विशेष रूप से एंटी ड्रोन के साथ टीथर्ड ड्रोन की मदद से रियल-टाइम वीडियो फीड लेकर डीजीपी मुख्यालय से सीधे मॉनीटरिंग की जा रही है। ये टीथर्ड ड्रोन लगातार एक स्थान पर स्थिर रहकर भीड़ की निगरानी में सक्षम हैं, जिससे किसी भी प्रकार की आपात स्थिति की त्वरित जानकारी मिल सके।

अफवाहों पर नकेल कसने के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी: कांवड़ यात्रा और शिव मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए डीजीपी मुख्यालय में मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां पर 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग के जरिये पल-पल की नजर रखी जा रही है।

इसके अलावा एक विशेष आठ सदस्यीय टीम 24 घंटे सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए है। यह टीम सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और संवेदनशील पोस्ट की रियल-टाइम मॉनीटरिंग कर रही है तथा संबंधित जिलों को अलर्ट भेजा जा रहा है। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक सामग्री हटवाने की कार्यवाही भी की जा रही है।

रिक्शा चालक और श्रमिको के बेटों ने नीट में रचा इतिहास

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने घर जाकर दी बधाई

लखनऊ। मुजफ्फरनगर की धरती एक बार फिर गौरवांवित हुई, जब यहां के दो साधारण परिवारों से ताल्लुक रखने वाले बेटों मोहम्मद सुहैल और मोहम्मद उज्जैर ने अपनी मेहनत, समर्पण और संघर्ष से नीट-यूजी 2025 जैसी प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षा में सफलता का परचम लहराया। इन दोनों होनहार युवाओं की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत विजय नहीं, बल्कि समाज के उस हर युवा के लिए प्रेरणा बन चुकी है, जो सीमित संसाधनों में भी असीम सपने देखता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों विद्यार्थियों की सफलता को विशेष सराहना प्रदान करते हुए प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल को निर्देशित किया कि वे व्यक्तिगत रूप से दोनों परिवारों के घर जाकर उन्हें

सम्मानित करें। आज मंत्री अग्रवाल ने ईदगाह रोड स्थित मोहम्मद सुहैल के आवास और मदीना चौक, सरवट स्थित मोहम्मद उज्जैर के घर पहुंचकर मिठाई खिलाई, पुष्प माला पहनाई, परिवार के साथ इस सफलता का उत्सव साझा किया।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मोहम्मद सुहैल और मोहम्मद उज्जैर की यह सफलता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और पारिवारिक सहयोग से किसी भी सपने को साकार किया जा सकता है। सरकार मेधावी विद्यार्थियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है और आगे की मेडिकल शिक्षा में यदि किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हुई तो राज्य सरकार उनका पूरा सहयोग करेगी।किदवई नगर स्थित दरोगा की कोठी निवासी मोहम्मद सुहैल, जो एक रिक्शा चालक इजरार के पुत्र हैं, ने चौथे प्रयास में नीट परीक्षा पास कर पूरे देश में 11214वीं रैंक प्राप्त की है। सुहैल की यह यात्रा आसान नहीं थी। सीमित आर्थिक संसाधनों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और बार-बार की असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः पूरे जनपद का नाम रोशन कर दिखाया। उनके पिता इजरार ने दिन-रात मेहनत-मजदूरी कर बेटे की पढ़ाई का खर्च उठाया, जबकि उनकी माता शबाना प्रवीन ने हर मुश्किल घड़ी में बेटे का मनोबल बनाए रखा। आज जब सुहैल की मेहनत रंग लाई, तो उनके मोहल्ले में जश्न का माहौल है और पूरा क्षेत्र इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहा है। सरवट की मदीना कॉलोनी निवासी मोहम्मद उज्जैर, जो सोफिया स्कूल के छात्र रहे हैं, ने पहले ही प्रयास में नीट परीक्षा पास कर अपने माता-पिता और समाज को गौरवान्वित किया है। उज्जैर ने यह सिद्ध किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मन में समर्पण हो, तो पहली ही कोशिश में सफलता हासिल की जा सकती है। उनके पिता शहजाद और पूरा परिवार आज क्षेत्रवासियों से बधाइयाँ प्राप्त कर रहा है। सुहैल की कहानी विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है। चार बार की असफलता के बावजूद उन्होंने प्रयास नहीं छोड़ा और अब उनकी सफलता यह संदेश दे रही है।

अनुशासन एवं जनता के हितों को सर्वोपरि: शर्मा

ऊर्जा मंत्री ने लिया सुरापुर सुल्तानपुर की 9 जुलाई की घटना का संज्ञान, दोषी कर्मी निलंबित

सब स्टेशन पर 24 घंटे होगी विद्युत आपूर्ति

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। सुल्तानपुर के सूरापुर बिजठुआ हनुमान धाम के नजदीक 09 जुलाई की ऊर्जा मंत्री के प्रवास के समय कुछ लोगों ने उन्हें रोककर उनका सम्मान किया। विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याएं बतायीं। मंत्री ने उनकी बातों को धैर्य, ध्यान एवं सौम्यतापूर्वक सुना और उचित कार्यवाही का आश्वासन भी दिया।उस दिन विद्युत आपूर्ति की वास्तविक स्थिति से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने जनसामान्य को सोशल मीडिया पर अवगत कराया है। उसके मुताबिक सुल्तानपुर जिले में 16 घंटे से 18 घंटे न्यूनतम बिजली दी गई है। शहरी क्षेत्रों में 22-24 घंटे बिजली दी जा रही। सुल्तानपुर के158 फीडरों

में मात्र 1 कादीपुर फीडर पर ही उस दिन 15 घंटे या कम बिजली दी गई है। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति में लापरवाही के लिए मंत्री के आदेशानुसार जाँच के उपरांत उमाँकर यादव तकनीशियन विद्युत, कादीपुर विद्युत वितरण उपखंड को निलंबित कर दिया गया है।मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने यह भी कहा है कि ÷सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है कि सुल्तानपुर के विभिन्न क्षेत्र में 3-4 घंटे की विद्युत आपूर्ति की जा रही है। किसी क्षेत्र में इतनी कम विद्युत आपूर्ति नहीं की जा रही है सभी क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जा रही है। फीडर पर तकनीकी काम करने का आदेश दे दिया है साथ ही निर्देश दिया है कि कम बरसात के कारण कृषि में बढ़ी हुई मांग के दृष्टिगत अब सब स्टेशन पर 24 घंटे विद्युत दी जाएगी जिससे उपभोक्ता को रोस्टर के मुताबिक विद्युत मिल सके। पिछले तीन साल से उत्तर प्रदेश के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा बिजली दी जा रही है। 2012-2017 के शासन की अपेक्षा अढ़ाई गुनी बिजली की पीक आपूर्ति दी जा रही है। कांग्रेस शासन के समय से तो अनेक गुना आपूर्ति इस समय दी जा रही है। तीन वर्ष से देश के किसी राज्य से ज्यादा बिजली यूपी में दी जा रही है। हाल में अन्य जिलों के साथ सुल्तानपुर जिले में बरसात कम पड़ने के कारण कृषि का और घरेलू लोड बढ़ा है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का 2 दिवसीय लखनऊ दौरा आज

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री और सांसद राजनाथ सिंह शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ आ रहे हैं। वे सुबह 11 बजे लखनऊ पहुंचेंगे और शहर में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। रक्षा मंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन और बीजेपी संगठन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन और पुलिस सतर्क है। इस दौरे के दौरान राजनाथ सिंह स्थानीय लोगों, कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों से मुलाकात कर लखनऊ में चल रहे केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं की समीक्षा करेंगे। साथ ही, कई नए प्रोजेक्ट्स की घोषणाएं भी संभव हैं। शनिवार को लखनऊ पहुंचने के बाद वे सीधे पूर्व नियोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे।विभिन्न स्थानीय नेताओं और अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा भी प्रस्तावित है। रविवार को अपराह्न वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

रेलवे कांट्रेक्टर का तीसरा सफल किडनी ट्रांसप्लांट

2 ट्रांसप्लांट फेल होने के बाद डॉक्टरों ने दी नई जिंदगी

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 43 साल के रेलवे कॉन्ट्रेक्टर का तीसरा किडनी ट्रांसप्लांट करने में डॉक्टर कामयाब रहे। इससे पहले दोनों किडनी ट्रांसप्लांट फेल होने के बाद दिल्ली के डॉक्टरों ने मरीज को हाई रिस्क के चलते तीसरा ट्रांसप्लांट करने से मना कर दिया था। बड़ी बात ये रही कि महज 10 दिन के अंदर मरीज का सफल किडनी ट्रांसप्लांट करके डॉक्टरों ने घर भेज दिया।

ट्रांसप्लांट के एक महीने बाद कंडीशन नार्मल रहने पर आज डॉक्टरों ने तीसरे किडनी ट्रांसप्लांट के सफल रहने की जानकारी दी। मरीज को किडनी देने वाले सभी उसके पारिवारिक सदस्य रहे। इनमें से 2 किडनी भाईयों ने दी। जबकि एक किडनी पत्नी ने दी। परिवार में सबसे पहले मरीज के बड़े भाई, उसके बाद पत्नी और तीसरी बार मरीज से 16 साल बड़े भाई द्वारा किडनी दी गया।

मेदांता लखनऊ के नेफ्रोलॉजी हेड के डॉ.डीएस भदौरिया ने दिल्ली के एक अस्पताल में उसका दूसरा ट्रांसप्लांट हुआ था पर एक महीने के भीतर उसका रीजैक्शन हुआ। ऐसे में सर्जरी बेहद क्रिटिकल थी। उससे पहले मरीज के शरीर को तैयार करना भी बेहद कठिन था। पर राहत की बात ये है कि उसे डायबिटीज नहीं थी। सिर्फ बीपी की समस्या थी। ऐसे में रिकवरी में आसानी हुई। मेदांता लखनऊ के यूरोलॉजी रेनल केयर डॉ. मनमीत सिंह ने कहा कि यह केस हमें सिखाता है कि कभी हार नहीं माननी चाहिए। अगर मरीज की स्थिति और मेडिकल पैरामीटर्स अनुमति दें।

18 तक चलेगा जनसंख्या स्थिरता पखवारा

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर सीएचसी सिल्वर जुबली में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. दिनेश कुमार (महानिदेशक परिवार कल्याण) ने 'सारथी वाहन' और जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा जनसंख्या स्थिरता पखवारे का शुभारम्भ किया। इस मौके पर महानिदेशक ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में परिवार नियोजन अहम है। यह केवल परिवार सीमित रखने तक नहीं है बल्कि महिला व बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण तथा पूरे परिवार के भविष्य की नींव है।

उन्होंने बताया, सरकार का लगातार प्रयास है कि सही जानकारी और सही सेवाएं योग्य दम्पत्ति तक पहुंचें। इसके लिए गांवों में आशा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सीएचसी, जिला अस्पताल और उच्च स्तरीय अस्पतालों में सेवाएं देना सुनिश्चित किया जा रहा है। यह व्यवस्था है कि योग्य दंपत्ति अपनी इच्छा के अनुसार परिवार नियोजन के साधनों का चुनाव करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि जनसंख्या स्थिरता पखवारा 18 जूलाई तक चलेगा। इस पखवारे की थीम है 'माँ बनने की उम्र वही, जब तन और मन की तैयारी सही'। पखवारे में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से समुदाय को परिवार नियोजन के कार्यक्रम और साधनों के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसी उद्देश्य के साथ सारथी वाहन रवाना किया गया है जो कि विभिन्न क्षेत्रों में जाकर परिवार नियोजन के साधनों के बारे में समुदाय को जागरूक करेगा। इसमें परिवार नियोजन के बारे में जानकारी चस्पा होने के साथ ही ऑडियो सन्देश भी हैं। इसके अलावा सास-बेटा-बहू सम्मलेन का आयोजन कर परिवार नियोजन में तीनों की भूमिका के महत्व को सुनिश्चित किया जायेगा। इस दौरान नियत सेवा दिवस के माध्यम से महिला एवं पुरुष नसबंदी की सेवाएं मुहैया करायी जाएँगी।

प्रशांत कुमार की पार्टी बीजेपी की बी टीम- अंगारा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल उप्र के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव श्अंगाराश्ने एक वक्तव्य में कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए बीजेपी बौखला गई है। बिहार की जनता तेजस्वी यादव और राजद में प्रदेश की तरक्की की सम्भावना देख रही है। इस चुनाव में बदलाव होगा। लालू यादव की नीतियों और उनके शासनकाल में बिहार ने जो विकास देखा, उसके बाद बिहार बदहाल हुआ है। अंगारा ने आगे कहा कि प्रशांत कुमार की पार्टी को बीजेपी की बी टीम कहा जाए तो गलत नहीं होगा,क्योंकि वे बीजेपी को ही मजबूत करने उतरे हैं।नरेन्द्र मोदी, नितीश कुमार ने प्रशांत कुमार को भाजपा की बी टीम के रूप में उतारा है।बीजेपी बिहार के विकास को गुजरात में स्थानांतरित करने का प्रयास कर रही है। बिहारियों को बिहार की रक्षा करनी चाहिए।बिहार की प्रगति खातिर राष्ट्रीय जनता दल को जिताने का कार्य करना चाहिए। तेजस्वी यादव का हाथ मजबूत होगा तो बिहार के विकास की गाड़ी पटरी पर लौट आएगी। नई सरकार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बनाएं,यही समय की मांग है।

लोगों में जगी भावी पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने की इच्छा

रोपित पौधे को दरख्त बनने तक निभानी होगी जिम्मेदारी आपूर्ति

करण वाणी न्यूज

लखनऊ। वृक्षारोपण अभियान में हर सरकारी और गैर सरकारी विभाग ने हिस्सा लिया।स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिक भी अभियान में भागीदारी बने। यह बहुत ही शुभ संदेश है कि अब लोगों में भावी पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने की इच्छा जागृत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर बीजेपी लीडर एवं सदस्य इस्पात उपभोक्ता परिषद कमल सिंह चंदेल ने एक पेंड़ मां के नाम अभियान में प्रतिभाग करने के बाद बताया कि वृक्षारोपण में तो हम सबने बड़ी रूचि दिखाई है,लेकिन इतना नाकाफी है। हमें अपने हाथों से रोपित पौधे को दरख्त बनाकर भावी पीढ़ी को सौंपना है। यह जिम्मेदारी बड़ी है जिसे निभाये बिना मिशन अधूरा रह सकता है।जागृति जितनी वृक्षारोपण खातिर है, उससे ज्यादा पौधे को पाल पोषकर वृक्ष बनाने की निमित्त जरूरी है।वही अधिशासी अभियंता राजीव कुमार सिंचाई विभाग बाराबंकी ने बताया की लगाये गये और लगाए जा रहे पेड़ों की सुरक्षा का पूरा इंतजाम किया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी है। पेड़ को अपने नौनिहालों की तरह ही पालन और संरक्षण देंगे ताकि हमारी अगली पीढ़ी स्वच्छ और सुंदर वातावरण में सांस ले सकेंगे।वृक्ष नही होंगे तो पानी भी नहीं होगा। पर्यावरण शुद्ध हो तो मानव जीवन निरोगी होगा।प्रधानमंत्री का प्रयास लोगों को खुशहाल जीवन देने खातिर ही है।

सम्पादकीय

नाचते मोर, गूंजते गीत और भीगी परंपराए

सावन का महीना साल के सभी महीनों में खास है। यह जितना भक्ति और आध्यात्मिकता के वातावरण से परिपूर्ण होता है, इसका उतना ही अपना सांस्कृतिक प्रभाव भी है, जैसा किसी दूसरे महीने का नहीं। सावन का महीना वर्षा गीतों का भी महीना है। कजरी, झूला, मेला-कैरवा तथा सावनी ये सब लोकराग और वनहटिया गीत केवल रिमझिम बूंदों की झड़ी वाले सावन के महीने में ही सुनायी पड़ते हैं। इसके अलावा इस माह में शास्त्रीय संगीत की भी एक गहन विरासत है। इसी माह में मेघ और मियां मल्हार राग की गूंज पूरे वातावरण को मोहित कर देती है। सावन की घटाएं अपने आपमें कविता हैं। लाखों कवियों ने इन घटाओं के रिमझिम बारिश की है। लेकिन जब ये कविताएं शास्त्रीय संगीत की तान पर सवार होती हैं, तो सावन का महीना अपने आप में एक अनुगूंज बन जाता है। सावन के महीने का जितना धार्मिक महत्व है, उससे कम सांस्कृतिक महत्व नहीं है। प्राचीनकाल से ही भारत में सावन माह का मतलब हरियाली तीज, कजरी तीज, नाग पंचमी जैसे वर्षा ऋतु से जुड़े त्योहारों का वातावरण रहा है। सावन के हर सप्ताह में कोई न कोई ऐसा त्योहार आता है, जिसके साथ तीज शब्द जुड़ा होता है, जो महिलाओं के उत्सव का पर्याय होता है। सावन के महीने को विशेषकर महिलाओं के उल्लास का महीना भी माना जाता है। इसी महीने में सबसे ज्यादा रंग-बिरंगी चूड़ियां खरीदी और पहनी जाती हैं। इसी महीने में पेड़ों पर झूले पड़ते हैं और इसी महीने में बारिश की बूंदों के साथ वर्षागीतों की तान मिलायी जाती है। जब झूले पर झूलती हुई महिलाएं कजरी गीतों का समवेता गान करती हैं तो यह प्रकृति के उल्लास का अनुपम नजारा होता है। इसलिए सावन के महीने को स्त्री उत्सव का अनूठा महीना भी कहा जाता है। वैसे दूसरे महीनों में भी तीज की तिथियां आती हैं, लेकिन दूसरे महीनों में तीज की तिथियां संस्कृति और उल्लास का पर्याय नहीं बनतीं। जैसे हरियाली और कजरी गीत जैसी रंगत किन्हीं भी गीतों में नहीं बनती। जब वर्षा की रिमझिम फुहार गिर रही होती हैं, तब ये गीत अनुपम समा बांधते हैं और सावन के महीने के एक एक दृश्य को कल्पना से भी ज्यादा भावपूर्ण बना देते हैं। झूलों, मेलों और गीतों के इस महीने के प्रभाव से कोई नहीं बच सका। झूला और सावन का जैसा चोली-दामन का रिश्ता है, झूले का वैसा रिश्ता साल के किसी दूसरे महीने के साथ नहीं है। दरअसल, यह प्रकृति के उल्लास का महीना है। सावन के महीने में हर तरफ धरती वर्षा से सराबोर हो जाती है। खेत, वन और सारी सूखी जमीन पानी से लबालब हो जाती है। किसान खरीफ की फसल रोंप चुके होते हैं। घर और प्रकृति में हर तरफ सिर्फ हरे रंग की प्रधानता होती है। जहां तक देखो सिर्फ हरा रंग ही दिखता है। ऐसे वातावरण में जब हर तरफ हरा ही हरा हो, तो लोग सावन को हरियाला मास या हरीतिमा मास भी कह बैठते हैं। दरअसल यह सावन के महीने में प्रकृति के विलक्षण उल्लास का ही प्रतीक है कि जितने धार्मिक उत्सव सावन में होते हैं, किसी और महीने में नहीं होते।यह महीना इंद्रियों को जगा देने वाले वातावरण का मालिक होता है। जब धरती में रिमझिम बारिश की फुहारे गिरती हैं तो धरती से उठती गीली सौंधी सौंधी खुशबू उसकी संतुष्टि की खुशबू से भरी होती है। इस महीने में चारो तरफ मनो हरी चादर तान दी गई होती है। जहां तक नजर जाती है, सिर्फ हरा रंग ही दिखता है, जो आंखों को बहुत भाता है और दिल को उल्लास से भर देता है। इस महीने में जितना संगीत इंसान में वातावरण के उल्लास से फूटता है, उससे कहीं ज्यादा संगीत प्रकृति से स्वयं भी फूटता है। इस महीने में मोर बिना कहे झूम-झूमकर नाचते हैं और मेढक व झींगुर रात-दिन एक-दूसरे के साथ ताल पर ताल मिलाते हुए नई से नई जुगलबंदियां पेश करते हैं। यह ऋतु सभी जीव जंतुओं के प्रजनन का मौसम भी होता है, इसलिए ज्यादातर जीव जंतु इस मौसम में अपनी खुशी और उल्लास से तरह तरह की मधुर ध्वनियां निकालते हैं, जो दूसरे किसी माह में बहुत कम सुनायी पड़ती हैं। सावन के महीने में जितने फूल खिलते हैं, दूसरे मौसम ऐसे कम होते हैं, जब इतने फूल खिलते हों। बरसाती शामों में तली, भुनी चीजों की दावत उड़ाने की जो परंपरा है, वैसी खुशी और दावत की परंपरा बाकी महीनों में बहुत कम देखने को मिलती है। रिमझिम फुहारों के बीच इस महीने में जब शिवालयों से मंत्रोच्चार की ध्वनियां दूर दूर तक गूंजती हैं, तो यह महीना अपने आपमें सबसे अनूठा और सांस्कृतिक उल्लास का महीना बन जाता है। यह महीना धर्म और प्रकृति की लोक संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है।

अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ युद्ध

"अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। फिलहाल भारत इस सूची में शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

अमेरिकी में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। किंतु अमेरिका विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर इस टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब तक स्पष्टता का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। इसे यदि भारत के संदर्भ में देखें तो ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि वह भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न करेगा। इसके लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया भी और निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहकर द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने में भी सफल रहा, परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा सकी है।

दूसरी ओर इस बीच अमेरिका ने कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। फिलहाल भारत इस सूची में शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। कहना होगा कि अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा

प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजरायल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है। अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय-समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजरअन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुकसान इन्हीं देशों को अधिक है, क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाएंगे। वैसे भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। देखा जाए तो आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता। पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ेगी ही। एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजरायल एवं हमास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजरायल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है। फिर भी अमेरिका के साथ अभी हम टैरिफ को लेकर इंतजार की स्थिति में है।

सरोकार

विदेशी संस्कृतियों से प्रभावित होती भारतीय 'नारी'

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन एवं सर्वाधिक समृद्ध संस्कृति है। यद्यपि विश्व में सभी धर्मों एवं संस्कृतियों में नारी को उच्च स्थान दिया गया है फिर भी अन्य देशों की तुलना में भारत में पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में 'नारी' की स्थिति अत्यंत गौरवप्रद है। 'नारी' की स्थिति से किसी देश और समाज के सांस्कृतिक और बौद्धिक स्तर का पता चलता है। जिस देश में धर्म, समाज और पुरुष के नियमों में नारी को बांधकर रखा जाता है उस देश और समाज की स्थिति बदतर मानी जाती है। 'नारी' सम्पूर्ण मानवता की भी जन्मदात्री है क्योंकि मानवता के आधार के रूप में प्रतिष्ठित सम्पूर्ण सद्गुणों की वही जननी है। संसार को आगे चलाने के लिए 'नारी' का आदर्श होना अत्यंत आवश्यक है। अर्थववेद' में कहा गया है -'यस्य नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। यही कारण है कि भारत में प्राचीन काल से ही नर का यह प्रयास रहा कि वह 'नारी' की गरिमा को अक्षुण बनाए रखे। वह जानता है कि यदि दवाया-सताया ना जाए और समान रूप से विकसित होने का अवसर प्राप्त हो तो मानवीय सत्ता के दोनों पक्ष (नर और नारी) समान रूप से समुन्नत होंगे। यद्यपि प्राकृतिक रूप से नर और नारी के मध्य कुछ शारीरिक और मानसिक भिन्नताएं हैंद्ध किन्तु यह केवल एक-दूसरे के पक्ष की कमी को पूरा करने के लिए हैं। इसके कारण किसी पक्ष को छोटा या बड़ा नहीं ठहराया जा सकता। 'शतपथ ब्राह्मण' में कहा गया है कि 'नारी', नर की आत्मा का आधा भाग है' अर्थात दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। नारी की संरचना उदारता, करुणा, ममता, श्रद्धा, सेवा जैसे महान आध्यात्मिक तत्वों की बहुलता सहित हुई है जिसके कारण उसे देवी की संज्ञा दी गई है। यही कारण

है की प्राचीन काल से लेकर कुछ वर्ष पहले तक भारत में नारी के नाम के साथ 'देवी' शब्द जोड़ने का प्रचलन था, जिससे नारी सत्ता की गरिमा का सहज बोध होता था। किन्तु आज यह आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। ऐतिहासिक दृष्टि से, प्रत्येक कालखंड में प्राचीन काल से लेकर, मध्यकाल होते हुए आधुनिक काल तक भारत में एक लम्बी श्रंखला के रूप में महान विदूषी नारियाँ अपनी विशेषताओं के कारण विश्वविख्यात रही हैंद्ध यदि हम वर्तमान समय की 'नारी' की बात करें तो 'आज की नारी' हर क्षेत्र में अपना सर्वोच्च दे रही है। आज प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, संगीत, कला, विज्ञान, चिकित्सा, कृषि, व्यवसाय, राजनीति, खेल, मीडिया और युद्ध सहित विविध विधाओं में अपनी कुशलता एवं गुणवत्ता सिद्ध करते हुए, प्रत्येक प्राप्त दायित्व एवं पद को संभालकर उसे सुशोभित कर रही है। परिवार व कैरियर, दोनों के मध्य तालमेल बैठाती आज की नारी से हर क्षेत्र प्रकाशवान हो रहा है। परंपरागत रूप से प्राप्त माँ, बहिन, बेटी, गृहणी, पत्नी, साध्वी आदि आयामों के साथ ही भाभी, सखी और शिक्षिका जैसे नए आयाम इसके साथ और जुड़े हैं। निश्चित रूप से नारी ही संस्कृति की सच्ची संवाहिका का होती है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अचार-विचार, रीति-रिवाज, खान-पान, आध्यात्मिकता, मानवीय मूल्य, संस्कार, पहनावा, अच्छी आदतें आदि नारी के माध्यम से ही हस्तांतरित होते हैं। विरासत से सीखी-समझी, संस्कारों का अद्भुत ढंग से अनुपालन करने वाली अनेक सुशील और उच्च पदों पर आसीन नारियों को हम आज विविध स्थानों पर देख सकते हैं; उनसे आदर्श ग्रहण कर सकते हैं। इसके साथ ही यत्र-तत्र ऐसी नारियों की भी कमी नहीं है जो विदेशी संस्कृति का अंधानुकरण करते हुए, पतित होती हुई, अपनी संस्कृति का हनन करने पर तुली हुई हैं। पाश्चात्य संस्कृति के मोहपाश में अपना विवेक खो बैठीं यह तथाकथित आधुनिक नारियां समस्त नारी लोक में कलंकित हैं। जैसे-मेरठ की मुस्कान, गढ़वा (झारखंड) की सुनीता देवी, गिरीहीड की सोनिया खातून, अलवर (राजस्थान) की अनीता राज, मेरठ की कविता राज और इंदौर की सोनम रघुवंशी इत्यादि। जिन्होंने अपने पति को मारने में किसी गैर-मर्द यानी प्रेमी या अन्य का सहारा लिया। यदि हम अपुष्ट आंकड़ों की बात करें तो प्रतिवर्ष देशभर में औसतन 225 पतियों की हत्या, उनकी पत्नियों द्वारा कर दी जाती है। परिणामस्वरूप आज का युवा 'विवाह' नामक पवित्र संस्था को शंका की दृष्टि से देखने लगा हैद्ध उसके अंतःकरण में एक अनजाना-सा भय व्याप्त रहने लगा है। दुर्भाग्य से नारी का यह रूप देश के उच्च संभ्रांत परिवारों से लेकर मध्य एवं निम्न वर्गीय परिवारों में भी देखने को मिल रहा है।

रहस्य भी कम नहीं नागा साधुओं की दुनिया में

एक रहस्य, एक कौतूहल, एक अचंभाकृन जाने कितने प्रश्न उठ खड़े होते हैं जब बात नागा साधुओं की आती है। देश में जब-जब कुंभ और अर्द्ध कुंभ मेला लगता है, तब-तब नागा साधुओं के दर्शन होते हैं। सदियों से नागा साधुओं को आस्था के साथ-साथ हैरत और रहस्य की दृष्टि से देखा जाता रहा है। लंबी जटाओं और कपड़ों के नाम पर पूरे शरीर पर भस्म लगाए निर्वस्त्र रहने वाले इन नागा साधुओं का बाहरी दुनिया से कोई लेना-देना नहीं होता। इनकी जिंदगी कठिनाइयों से भरी होती है जिसके बारे में आम इंसान कल्पना भी नहीं कर सकता। किसी गुफा में ध्यान लगाए बहुत कठोर व अनुशासित जीवन जीने वाले नागा साधु सुख-दुःख से परे होते हैं। नागा साधुओं का हमारे देश में, हमारी संस्कृति में, हमारी परंपराओं में क्या योगदान है, इससे लोग अनभिज्ञ हैं और उनके विचित्र रूप को देख वे उनके बारे में धारणाएं बनाते हैं। लेकिन नागा साधु परम सत्य हैं, उनसे बड़ा सत्य ब्रह्मांड में कोई नहीं। इस बार 144 साल बाद हुए महाकुंभ में जितनी चर्चा इस मेले की हुई, उतनी ही जिज्ञासा लोगों में नागा साधुओं के प्रति देखने को मिली, जो हजारों की संख्या में वहां मौजूद थे। महाकुंभ, अर्धकुंभ या फिर सिंहस्थ कुंभ में ही नागा साधुओं का हुजूम जुड़ता है और कुंभ खत्म होते ही रातों-रात वे गायब हो जाते हैं। सब सोचते हैं कि न जाने ये कहां चले जाते हैं। ये कहां से आते हैं, किसी को नहीं पता3 बस एक भीड़ का सैलाब उमड़ता है और लहरों के शांत होते ही वे न जाने कहां अदृश्य हो जाते हैं। कुंभ के समाप्त होने के बाद अधिकतर साधु अपने शरीर पर भभूत लपेट कर हिमालय की चोटियों के बीच चले जाते हैं। वहां ये अपने गुरु स्थान पर अगले कुंभ तक कठोर तप करते हैं जिस दौरान ये फल-फूल खाकर ही जीवित रहते हैं। सालों तक कठोर तप के कारण उनके बाल कई मीटर लंबे हो जाते हैं। ये तप तभी संपन्न होता है, जब ये कुंभ मेले के दौरान गंगा में डुबकी लगाते हैं।नागा साधु कभी भी दिन में नहीं चलते, क्योंकि समाज उन्हें स्वीकार और समझ नहीं पाता है। फिर भी नागा साधुओं को देख कर सभी के मन में उनके बारे में जिज्ञासा का जन्म अवश्य होता है। श्रृंगार किये हुए नागा साधु जब महाकुंभ के समय लाखों की संख्या में नजर आते हैं तो इनके बारे में जानने का ख्याल सभी के मन में आता है। कुंभ के दौरान ये साधु अचानक रहस्यवाद का प्रतीक बन जाते हैं। परंपरागत रूप से नागा साधु का जीवन ध्यान, तपस्या और त्याग से युक्त है, और केवल कुंभ के दौरान ही वे सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं। नाचते-गाते, उछलते-कूदते, डमरू-डफली बजाते, त्रिशूल, चिमटा उठाए नागा साधुओं का जीवन आज इंसान के लिए एक अनसुलझा रहस्य है। वे सत्य हैं, आत्मा रूप हैं और आत्मा के ऊपर वस्त्र नहीं होता है। उनका शरीर ही वस्त्र है, क्योंकि वे आत्मा हैं। इसलिए वे वस्त्र नहीं पहनते हैं। लोग नागा साधुओं को समझ नहीं पाते, वे अपने शरीर पर धूल-मिट्टी लपेटते हैं, रुद्राक्ष धारण करते हैं। वे जो भस्म लगाते हैं वह मुर्दे की होती है और अगर वह न मिले तो हवन की भभूत लगाते हैं। माना जाता है कि जो नागा बनता है वह इस संसार से मुक्त हो जाता है। संसार में रहते हुए भी वह संसार का हिस्सा नहीं होता। नागा को शिव का अवतार माना गया है। विडंबना तो यह है कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में ,नागा साधुओं ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए जो किया, उसका जिक्र कहीं देखने को नहीं मिलता। दिलचस्प यह कि हमारे इतिहासकारों ने उन्हें बेशक महत्व न दिया हो, पर मेगस्थनीज, जो यूनान का राजदूत था और चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था, ने नागा साधुओं का वर्णन करते हुए उस दौरान लिखा था, 'भारत में ब्राह्मणों या नागा साधुओं का एक दार्शनिक संप्रदाय है, जो स्वतंत्र जीवन व्यतीत करता है तथा मांस और पके भोजन से परहेज करता है और केवल फलाहार करके रहता है। पूरा जीवन भी नग्न रहकर बिताता है तथा कहता है कि ईश्वर ने शरीर आत्मा को ढकने के लिए दिया है। उनका मानना है कि ईश्वर प्रकाश है, लेकिन सूर्य अथवा अग्नि की तरह नहीं जिसे हम आंखों से देखते हैं, किंतु ईश्वर से उनका तात्पर्य तर्कपूर्ण प्रवचन से है जिसके द्वारा बुद्धिमान लोग जीवन के गूढ़ रहस्य को पहचानते हैं। वे देवता का नाम आदर के साथ उच्चारित करते हैं तथा मंत्रों के साथ उसकी पूजा करते हैं। ये नग्न रहकर जीवन व्यतीत करते हैं। जाड़ों में खुले आकाश के नीचे धूप में किंतु ग्रीष्म ऋतु में जब सूर्य बहुत तपने लगता है, वे आर्द्र स्थानों में पेड़ों के नीचे रहते हैं।' अधिकतम लोग नहीं जानते कि नागा साधु हिंदू धर्म की रक्षा करने वाली ऐसी पवित्र पैदल सेना है जो इसके लिए कोई धन नहीं लेती। चाहे इस्लामिक आक्रांताओं की बात हो या फिर अंग्रेज साम्राज्यवादियों की, नागा साधु अपने 'हिंदू धर्म' की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहे हैं। धर्म की रक्षा करना ये अपना सौभाग्य समझते हैं, पर समाज ने उनके बलिदान को कभी न याद रखा, न ही कृतज्ञ है। नागा साधुओं की परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है। इस परंपरा के चिह्न हमें मोहनजोदड़ो के सिक्कों और तस्वीरों में मिलते हैं।

नजरिया

टैरिफ की टकराहट में उलझा भारत-अमेरिकी व्यापार समझौता क्या बनेगी बात ?

9 जुलाई 2025 तक जिस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, वह अब भी अधर में लटका है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं, बल्कि दोनों लोकतंत्रों की नीतियों, प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं की परीक्षा है। भारत की ओर से सबसे बड़ा अड़ंगा कृषि, विशेषकर डेयरी क्षेत्र है, जिससे 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान जुड़े हैं। अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए बाज़ार खोलना इनकी आजीविका के लिए संकट पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाज़ार को कृषि उत्पादों, वाहनों और शराब के लिए खोले। भारत का ÷मेक इन इंडिया÷अभियान इन मांगों को पूरी तरह स्वीकारने से रोकता है।

उद्योग क्षेत्र में स्टील और ऑटो पाट्र्स को लेकर भी विवाद है। व्यापार समझौते में हो रही यह देरी दर्शाती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। बहुप्रतीक्षित भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते पर 9 जुलाई 2025 तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी। लेकिन यह तारीख भी बीत गई और समझौता अब भी अधर में लटका है। यह देरी दर्शाती है कि दोनों देश अपने-अपने हितों की रक्षा

करते हुए साझेदारी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता सिर्फ आँकड़ों या सामान की अदला-बदली का मामला नहीं है-यह समझदारी, सम्मान और दूरदर्शिता से जुड़े निर्णयों का विषय है।

इस समझौते में सबसे बड़ा रोड़ा बना है कृषि, खासकर भारत का डेयरी क्षेत्र। देश के 8 करोड़ से अधिक छोटे किसान दुग्ध व्यवसाय पर निर्भर हैं। अगर अमेरिका को भारत के डेयरी बाज़ार में प्रवेश मिल गया, तो यह किसानों की आजीविका के लिए बड़ा संकट बन सकता है। भारत का यह विरोध सिर्फ नीति का मामला नहीं है- यह ग्रामीण भारत की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। वहीं, अमेरिका भारत में अपने डेयरी, मक्का, सोयाबीन और शराब उत्पादों के लिए बाजार चाहता है। लेकिन अमेरिका भारत की कृषि संरचना और उसकी संवेदनशीलता को अक्सर सही तरीके से नहीं समझ पाता। भारत की खेती एक जीविका है, व्यापार नहीं।

कृषि के बाद अगला बड़ा मुद्दा है औद्योगिक वस्तुओं का व्यापार- जैसे स्टील और ऑटोमोबाइल पाट्र्स। अमेरिका ने भारतीय स्टील पर ऊंचे टैरिफ (शुल्क) लगा रखे हैं, यह कहते हुए कि भारत सस्ते दामों पर माल भेजता है। भारत चाहता है कि ये शुल्क घटाए जाएं और साथ ही वह अमेरिका से आयातित वाहनों पर अपने शुल्क बनाए रखना चाहता है, ताकि 'मेक इन इंडिया' पहल को बल मिले। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका 26त्न का प्रतिशोधात्मक शुल्क फिर से लागू कर सकता है, जिसे फिलहाल 10त्न पर रोका गया है। अगर यह दर 1 अगस्त से बढ़ती है तो भारत के वस्त्र, चमड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों पर बुरा असर पड़ेगा- ये वे क्षेत्र हैं, जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। भारत का सुझाव है कि शुल्क 5त्न से 10त्न के बीच रखा जाए- यह दोनों देशों के लिए संतुलित और व्यावहारिक रहेगा। भारत में कुछ क्षेत्रों में विदेशी निवेश (स्नष्ठद्ब) पर अब भी रोक है–जैसे जुए, तंबाकू, अणु ऊर्जा, और रेलवे। इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मूल्यों की चिंता है। रक्षा, मीडिया जैसे खुले क्षेत्रों में भी निवेश पर सीमाएं और सरकारी मंजूरी जरूरी है। भारत विदेशी पूंजी का स्वागत करता है, लेकिन अपने नियमों और शर्तों पर। यह सोच भारत को वैश्विक पूंजी का लाभ तो उठाने देती है, लेकिन नियंत्रण उसके अपने हाथ में रहता है। यह खुलापन और सुरक्षा के बीच एक समझदारी भरा संतुलन है। भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने देश के घरेलू दबावों से जूझ रहे हैं। भारत को अपने किसानों और श्रमिकों की रक्षा करनी है, जबकि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत दिखाना है और प्रभावशाली व्यापार सौदे करना है। फिर भी उम्मीद बनी हुई है। भारत आज वैश्विक व्यापार का एक भरोसेमंद केंद्र बनता जा रहा है, जो अमेरिका के लिए चीन जैसे विकल्पों से हटकर एक बेहतर साथी बन सकता है। अगर दोनों देश थोड़ा-थोड़ा झुकें, तो समझौता संभव है। अमेरिका अपने शुल्क में थोड़ी राहत दे सकता है, और भारत कुछ ऐसे क्षेत्र खोल सकता है जो उसकी कृषि या आत्मनिर्भरता को नुकसान न पहुँचाएं।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का आयात शुल्क 5त्न से 10त्न के बीच होना चाहिए। यह दर भारत की प्रतिस्पर्धा बनाए रखेगी और अमेरिका की घरेलू चिंताओं को भी ध्यान में रखेगी। अगर यह शुल्क 20त्न से ऊपर गया, तो भारत को भारी नुकसान होगा- निर्यात घटेगा, रोजगार जाएगा और व्यापार का संतुलन बिगड़ेगा। भारत भी कुछ गैर-संवेदनशील क्षेत्रों में अमेरिका को सीमित बाजार पहुंच दे सकता है- बशर्ते इससे उसके किसानों या मुख्य हितों पर असर न हो। यह व्यापार समझौता केवल आयात-निर्यात की बात नहीं है–यह एक परीक्षा है कि क्या दो लोकतांत्रिक देश आपसी सम्मान और समझ के साथ साझेदारी निभा सकते हैं। समय लगना कोई विफलता नहीं है। यह दिखाता है कि दोनों पक्ष इस समझौते को गंभीरता से लेना चाहते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

श्रद्धालुओं से नम्रता पूर्ण व्यवहार करें डियूटी कर्मी

▸▸ महादेवा के सावनी मेला को लेकर डी एम व एस पी ने की ब्रिफिंग

करण वाणी न्यूज

रामनगर, बाराबंकी। सावन मेला के सफल आयोजन ले लिए महादेवा आड़ीटोरियम में पुलिस के साथ अन्य विभागों की ब्रीफिंग हुई जिसमें डीएम व एसपी ने लोगों को डियूटी के प्रति कर्तब्य बोध का पाठ पढ़ाया।
डी एम ने कहा कि सभी अधिकारी एवं पुलिसकर्मी अपना व्यवहार श्रद्धालुओं के प्रति विनम्र रखेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर करेंगे। मार्ग संकेतक लगाएंगे ताकि मंदिर तक जाने व निकलने के मार्ग की उन्हें जानकारी हो सके। सीसीटीवी कैमरों की उचित व्यवस्था रहेगी और वे चालु रहेंगे। उन्होने विद्युत विभाग को हादसे रोकने हेतु सतर्क रहने को कहा। बीडीओ से तालाब की सफाई प्रतिदिन कराने और स्नान के लिए पानी का स्तर बनाए रखने की बात कही गई। एस पी ने कहा कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए सभी पुलिस कर्मी व अन्य जिनकी डियूटी लगी है समय से ड्यूटी करें और अनुशासन बनाए रखें। मंदिर परिसर, पार्किंग एवं मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतते रहें। मंदिर गर्भगृह में दो-दो घंटे की ड्यूटी तय की गई है जिसमे लापरवाही न हो। चेन स्नेचिंग रोकने के लिए अलग से पुलिस बल तैनात होगी। मेला क्षेत्र को 4 जोन और 9 सेक्टर में बांटा गया ¬ एडिशनल एसपी उत्तरी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मेला क्षेत्र को 4 जोन और 9 सेक्टर में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कुल 1100 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सात पार्किंग स्थल बनाए गए हैं और सभी वाहनों को पार्किंग में ही खड़ा करने के निर्देश दिए गए हैं। महिला सब इंस्पेक्टरों की भी तैनाती की गई है/जो विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओ कि सहायता करेंगी। केसरीपुर से मंदिर तक मार्ग पर विशेष ड्यूटी लगाई गई है।
डाइवर्जन प्लान के तहत सोमवार को मंदिर क्षेत्र में बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि सावन के चार सोमवारों को देखते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय से मौजूद रहें और पूर्ण तन्मयता से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पवन कुमार, प्राची त्रिपाठी, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, ए ई अजीत पटेल, बीडीओ जितेंद्र कुमार, देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रदेश का पहला जिला बना बाराबंकी, लगेगी सोलर पैनल की मैनुफैक्क्रिंग यूनिट

करण वाणी न्यूज

बाराबंकी। प्रदेश में जनपद बाराबंकी पहला जिला बनने जा रहा है जहाँ सोलर पैनल की मैनुफैक्क्रिंग यूनिट लगाई जा रही है । यह जानकारी टू पॉवर लिमिटेड कंपनी के निदेशक राजेश तिवारी न देते हुए बताया कि टू पॉवर लिमिटेड कंपनी ने 70 करोड़ का एम ओ यू इन्वेस्ट यू पी के साथ एक माह पूर्व हस्ताक्षरित किया था। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में पहला सयंत्र जो सोलर एनर्जी पैनल का उत्पादन करेगा को मूर्त रूप प्रदान कर रही कंपनी ने भूमि ख़रीद कर उस पर भूमि पूजन किया। एक सादे एवं पारिवारिक आयोजन में भूमि पूजन संपन्न हुआ । देव पूजन के साथ ही निर्माण श्रमिकों का भी विधिवत पूजन एवं सम्मान किया गया। इस संयंत्र द्वारा एक गीगा बाईट क्षमता के सोलर पैनल का वार्षिक उत्पादन किया जाएगा । श्री तिवारी ने आगे बताया कि संयंत्र की स्थापना लागत लगभग 100 करोड़ आएगी । इसमें सेंकड़ो स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। कंपनी के सी एम डी कैप्टेन राजेश कुमार तिवारी एम डी हरि ओम तिवारी डायरेक्टर शिव ओम तिवारी एवं परिवार के सदस्य उक्त पूजा में शामिल हुए। इसके पूर्व भी कंपनी ने जनपद में 40 करोड़ का निवेश किया हुआ है एवं सम्पूर्ण देश में कंपनी की 28 शाखाये तथा 4 उत्पादन इकाई संचालित है। कंपनी ने आशा व्यक्त की है कि उसे शीघ्र ही सारी सुविधाएं यथा बिजली कनेक्शन 100 मीटर सड़क प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पिता-पुत्र समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

कोठी,बाराबंकी। थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में नाली के पानी निकासी व रुपये मांगने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने पिता-पुत्र समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। कोठी थाना क्षेत्र के मंगदपुर मजरे सेमराँवां गांव निवासी लल्लू का आरोप है कि नाली से पानी निकलने के विवाद में शुक्रवार को गांव के ही कलऊ, अनिल कुमार, शुभम व पृथ्वीपाल निवासी कौरहापुरवा मजरे रसूलाबाद बिहारीलाल उनके परिवार पर हमला कर दिया। उनकी पत्नी जुगुरता, भाई दिनेश और भतीजे विवेक को लाठी-डंडों से पीट दिया। हमले में लल्लू के पैर, उनकी पत्नी के सिर, भाई के हाथ और भतीजे के कान के पास चोटें आई हैं। जबकि क्षेत्र के सरायमांदु गांव निवासी महेश गौतम का आरोप है कि रुपये मांगने विवाद में गांव के ही रामशंकर व उनके बेटे रंजीत ने एकराय होकर हमला कर दिया। बचाव में आई उनकी मां छेदाना व बहू किरन को भी लाठी-डंडों से पीटा गया है। जिसमे महेश के हाथ, पैर व पीठ पर, उनकी मां के पैर पर व बहू के पेट और पीठ पर चोटें आईं हैं। कोठी इंस्पेक्टर जितेंद्र प्रताप सिंह ने दोनों पीड़ितों की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। घायल का सीएचसी कोठी में उपचार कराया है।

तालाब व बंजर की जमीन से अवैध कब्जा हटाने में नाकाम राजस्व विभाग

निन्दूरा, बाराबंकी। फतेहपुर तहसील क्षेत्र में तालाब व बंजर सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा राजस्व विभाग के लिए कमाई का जरिया बन गया है। जिसके चलते ग्राम प्रधान द्वारा तहसील से लेकर संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत करने के बाद भी तालाब व बंजर की जमीन दबंगों का कब्जे से राजस्व विभाग खाली नहीं करवा सका है फतेहपुर तहसील के ब्लाक निन्दूरा के ग्राम पंचायत ठकुरा मऊ ग्राम प्रधान अजय कुमार यादव द्वारा उप जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि ग्राम पंचायत ठकुरा मऊ परगना कुर्सी स्थित भूमि गाटा संख्या 20 /0058 हे0 तालाब 21/0161 हे0 तालाब 22/0161हे0 तालाब,178/0101 तालाब व179/0051 हे0 बंजर नवीन परती 161/0021 हे0 नवीन परती,व212/0223 हे0 व 176/0051 बंजारा झाड़ी, 170/0833, बंजर झाड़ी इन समस्त गाता संख्याओं पर विपक्षी लवकुश सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, राम लखन यादव,अरविंद कुमार यादव पुत्र गण स्वर्गीय मेवालाल यादव व शिवकुमार यादव पुत्र कन्हैया लाल यादव व रवि यादव पुत्र रामनरेश यादव निवासी ग्राम भवानीपुर मजरे सीवा तहसील बीकेटी लखनऊ द्वारा अपनी दबंगई के बल पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए है ग्राम प्रधान तीन दिन पूर्व तहसील में दिए गए शिकायती पत्र व शनिवार थाना समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर ग्राम समाज की बेशकीमती जमीन दबंगों के कब्जे से मुक्त करने को लेकर शिकायती पत्र दिया समाधान दिवस में दिया है ग्राम प्रधान अजय का कहना है डेढ़ वर्ष पूर्व राजस्व विभाग द्वारा अवैध कब्जा कुछ जमीन से हटाया गया था लेकिन उसके बाद फिर कब्जा कर लिया गया था आज भी जमीन पर अवैध कब्जा किया है। इस संबंध में लेखपाल अरविंद कुमार ने बताया जल्द ही अवैध कब्जा हटाया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया समाधान दिवस में 10 शिकायती पत्र आए दो पुलिस विभाग के निस्तारित किए गए।

समाधान दिवस में आई नौ शिकायतें, निस्तारण के लिये टीम गठित

मसौली बाराबंकी। अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा की अध्यक्षता मे आयोजित थाना समाधान दिवस मे 9 फरियादियों ने फरियाद लगाते हुए न्याय की गुहार लगायी। शिकायतों के निस्तारण के लिए राजस्व एव पुलिस टीम का गठन किया गया है। थाना समाधान दिवस मे वाजिदपुर मजरे सहादतगंज निवासी कृष्णचंद्र पुत्र अम्बिका प्रसाद ने रामेश्वर व अवधराम पुत्र रामगुलाम पर अवैध कब्जा किये जाने फतेहपुरवा निवासी योगेश कुमार पुत्र रामचंद्र ने गांव के ही ओमप्रकाश पुत्र संतराम पर जामुन का पेड़ काटने, शाहपुर भीखा निवासी महादेव पुत्र बिहारी ने अमित कुमार पुत्र मुनेश्वर पर चकमार्ग पर अवैध कब्जा किये जाने की शिकायत की। कस्बा मसौली निवासी प्रमोद कुमार यादव पुत्र मिश्रीलाल ने गाँव के ही अमित व राजकुमार पुत्रगण हरिनाम पर जमीन पर कब्जा करने, ग्राम बड़ागांव निवासी मनोज पुत्र रामहेत ने दिनेश पुत्र सियाराम पर चकमार्ग पर कब्जा करने की शिकायत की। कस्बा शहाबपुर निवासी प्रवीण कुमार पुत्र राम नारायण ने दुर्गेश गौतम पुत्र नारायण द्वारा पिलर तोड़े जाने बांसा निवासी कमालुद्दीन पुत्र फसिउद्दीन ने अतिक्रमण हटाने की शिकायत दर्ज कराई। अतरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा ने शिकायतों के निस्तारण के लिए राजस्व व पुलिस टीम का गठन कर निस्तारण के निर्देश दिये है।

अशोक शुक्ला बनें प्रभारी सलोन, डीह ब्लॉक में हुआ अभिनन्दन

अमेठी। संसदीय क्षेत्र के विधान सभा सलोन का प्रभारी अशोक शुक्ला को बनाए जाने पर कांग्रेस कमेटी डीह मे कांग्रेसियों ने अभिनन्दन किया। ब्लॉक डीह अध्यक्ष शिव दर्शन पासी की अध्यक्षता में कांग्रेसियों ने माल्यापण कर अंग वस्त्र भेंट किए। और खुशी जाहिर किया। तथा भव्य अभिनन्दन कर स्वागत किया इस अवसर पर अमेठी लोकसभा प्रभारी फरहान वारसी , वरिष्ठ कांग्रेसी नेता टी. एन त्रिपाठी , पूर्व प्रत्याशी सलोन विधान सभा अर्जुन पासी, किरन देवी जिला उपाध्यक्ष अमेठी, इंद्रपाल प्रभाकर, यदुवेन्द्र तिवारी, जितेंद्र सिंह,श्याम सुंदर तिवारी, परमात्मा दीन तिवारी, आनंद यादव, आनंद सिंह , नगर अध्यक्ष परसदेपुर स्माइल भाई,मजहर भाई, अजय द्विवेदी, सीबू अंसारी, आरिफ भाई सहित ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ-कानपुर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे पर 25 प्रतिशत महंगा होगा सफर, सफर तेज़ लेकिन जेब पर बोझ

उन्नाव। जल्द ही लखनऊ से कानपुर के बीच सफर करने वाले वाहन चालकों को तेज और बाधा रहित यात्रा का विकल्प मिलेगा, लेकिन इसकी कीमत उन्हें ज्यादा टोल टैक्स चुकाकर चुकानी होगी। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे पर 120 किमी/घंटा की रफ्तार से वाहन दौड़ेंगे, मगर यह सफर लखनऊ-कानपुर पुराने हाईवे की तुलना में करीब 25त्न महंगा होगा। वर्तमान में लखनऊ-कानपुर हाईवे पर एक तरफ का टोल` 100 है, जबकि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे से सफर करने पर` 125 चुकाने होंगे। यानी बिना ट्रैफिक के, सीधे और सुरक्षित रास्ते के बदले आपकी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली होगी। 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर पांच टोल बूथों का प्रस्ताव भेजा गया है, जिनमें से तीन टोल बैरियर उन्नाव जिले में होंगे- 1. आज़ाद मार्ग चौराहा (इंट्री प्वाइंट)2. बंथर के पास 3. बनी (लखनऊ सीमा पर) प्रोजेक्ट प्रबंधक उदित जैन ने बताया कि यह टोल दरें फिलहाल प्रस्तावित हैं। जैसे ही एक्सप्रेसवे पर यातायात शुरू होगा, एनएचएआई मुख्यालय से अंतिम अनुमति के बाद ही टोल वसूली शुरू होगी। फिलहाल पुराने हाईवे पर प्रतिदिन करीब 40 लाख रुपये की टोल वसूली होती है। एक्सप्रेसवे पर पांच टोल समान संख्या में वाहन दौड़ते हैं, तो रोजाना 60 लाख रुपये की आमदनी होने का अनुमान है। एक्सप्रेसवे को केवल तेज ही नहीं, सुविधाजनक भी बनाया जा रहा है। टोल प्लाजा के पास यात्रियों के लिए पेट्रोल पंप, ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, एंबुलेंस, टॉयलेट, और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जा रही है।

पुलिस पेंशनर्स के साथ की गयी गोष्ठी

अमेठी। शुक्रवार को पुलिस कार्यालय गौरीगंज स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी की गई। जिसमें जनपद के पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान के पुलिस पेंशनर्स उपस्थित रहे । उक्त सभी पेंशनर्स को महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दी गयी तथा उनके द्वारा जो भी समस्याएं/शिकायतें बतायी गयी उनके समाधान हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया साथ-साथ वर्तमान समय में चल रहे फोन कॉल अथवा ऑनलाइन साइबर ठगी जैसे- फर्जी ट्रेजरी अधिकारी बनकर अथवा पुलिस कार्यालय के कर्मचारी बनकर रिटायर्ड पुलिस अधि0/कर्म0गण को पेंशन रोकने की बात कहकर उनसे पूरी जानकारी व ओटीपी आदि पूंछकर ठगी करने वालों से सावधान रहने व इस प्रकार के फोन कॉल पर कोई भी जानकारी न देने के बारे में जानकारी देकर जागरूक भी किया गया जिससे किसी के साथ कोई साइबर ठगी न हो सके।

एसपी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य मार्गों का किया गया निरीक्षण

करण वाणी न्यूज

अमेठी। श्रावण मास व कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए शनिवार को जनपद भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा थानाक्षेत्र फुरसतगंज अन्तर्गत तपेश्वरनाथ धाम मंदिर पीढ़ी व मंदिर जाने वाले मुख्य मार्गों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिये बैरिकेटिंग कर समुचित पुलिस प्रबंध के माध्यम से व सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की निगरानी करने, वर्दी तथा सादे वस्त्रों में पुलिस बल तैनात कर व भ्रमणशील रहते हुए संदिग्धों/शरारती तत्वों पर नजर रखने एवं मंदिर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा व यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के एवं प्रकाश व पेय जल की व्यवस्था के संबंध में संबंधित को आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये तथा मेला प्रबन्धन समिति के पदाधिकारियों से वार्ता की गयी । इस दौरान क्षेत्राधिकारी तिलोई श्री दिनेश कुमार मिश्रा व अन्य अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे ।

कोटेदारों ने उठाई छः माह के बकाए कमीशन के भुगतान की मांग

▸▸ यूपी में है 90 रुपया, जबकि दूसरे राज्यों में है 200 रुपया प्रति कुंतल कमीशन

▸▸ आर्थिक तंगी के शिकार हो गए हैं सरकारी सस्ते गल्ले के सैकड़ों दुकानदार

करण वाणी न्यूज

धानापुर। बौरहवा वीर बाबा मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार को आल इंडिया फेयर प्राइज शॉप डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले कोटेदारों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें कोटेदारों ने माह फरवरी 2025 से लंबित पड़े कमीशन की राशि की भुगतान के लिए सरकार से मांग किए। बैठक को संबोधित करते हुए हुए ब्लॉक अध्यक्ष राजनरायन सिंह ने बताया कि धानापुर में 99 उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से कार्ड धारकों को राशन मिलता है। लेकिन पिछले छः महीनों से कोटेदारों का कमीशन नहीं मिल रहा है। जिससे हम सभी कोटेदार आर्थिक तंगी से जूझ रहे है। सरकार हम लोगों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। अन्य प्रदेशों में कमीशन 200 रुपया प्रति क्विंटल मिलता है। यही उत्तर प्रदेश में मात्र 90 रुपया मिलता है। वो भी हम लोगों को समय से नहीं मिलता। सरकार हम लोगों के बकाए कमीशन की राशि का अविलंब भुगतान करे अन्यथा हम सभी फेडरेशन के पदाधिकारियों के नेतृत्व में दिनांक 15 जुलाई को जिला पूर्ति अधिकारी को पत्रक सौंपेंगे और दिनांक 18 जुलाई को लखनऊ स्थित खाद्य आयुक्त कार्यालय का घेराव करेंगे। सरकार अपनी सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार, के वाई सी और राशन वितरण का काम हम लोगों से करवा रही हैं लेकिन हम लोगों के कमीशन भुगतान के लिए थोड़ी भी चिंता नहीं है कि कोटेदारों के परिवार का पालन पोषण कैसे होगा। इस दौरान मुख्य रूप से दिनेश मिश्र, राम दुलार,सुनील यादव, विपिन, विश्वजीत सिंह, सतीश सिंह, संजीव पांडे, उमेश, अभिमन्यु, माया देवी, वीरेंद्र, गुलाबी देवी, संगीता, रामराज, राधेश्याम, गोपाल सिंह सहित सैकड़ों कोटेदार उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने लोधेश्वर महादेवा मंदिर परिसर का भ्रमण कर देखी व्यवस्थाएं

करण वाणी न्यूज

रामनगर, बाराबंकी। डी एम शशांक त्रिपाठी व एस पी अर्पित विजयवर्गीय ने रविवार को दो बजे प्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेवा मंदिर पहुंच व्यवस्थाओं जायजा लिया। सावन के पहले सोमवार पर भक्तों को कोई समस्या न हो इसके लिए अधिकरियो ने पूरे परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाए परखीं। मंदिर के मुख्य द्वार की बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, अभरण सरोवर व बने चेंजिंग रूम एवं सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि जो भी रह गया है शाम तक पूर्ण कर लें। निरीक्षण के बाद डी एम व एस पी ने मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर जलाभिषेक किया और जनकल्याण की कामना की। डीएम ने कहा कि यह सावनी मेला एक माह तक चलेगा जिसे शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं जिसमें पीएसी बटालियन और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस मौके पर एडीएम अरूण कुमार सिंह, एसडीएम रामनगर विवेकशील यादव, तहसीलदार विपुल सिंह, सी ओ गरिमा पंत, कोतवाल अनिल कुमार पांडेय बी डी ओ जितेंद्र कुमार ,देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित

जनपद में मनरेगा का है बुरा हाल

▸▸ पौने दो सौ से अधिक ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम ठप

करण वाणी न्यूज

अमेठी। बारिश के मौसम में मनरेगा का बुरा हाल है। बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम बंद हैं। पिछले महीने की तुलना में जिले में मनरेगा कार्य स्थलों पर श्रमिकों की संख्या तीन हजार कम हो गई है। मजदूरी का मार्केट रेट अधिक होने के कारण मजदूर मनरेगा के कार्यों में रुचि नहीं ले रहे हैं। अमेठी बाईपास के किनारे सुबह आठ बजे से दस बजे तक काम की तलाश में रोज सैकड़ों मजदूर जमा होते हैं,ये मजदूर गांव में काम करने के लिए तैयार नहीं है।राम लाल और सुकई शनिवार को घर से दस किमी दूर काम की तलाश में अमेठी आए थे।दस बजे तक दिहाड़ी नहीं लगी थी। गांव में काम नहीं मिला,सवाल पर दोनों ने कहा कि यहां पांच सौ रुपए दिहाड़ी शाम को घर जाते समय मिल जाती है, मनरेगा में 250रू भी नहीं मिलते।काम करने के बाद महीनों इंतजार करना पड़ता है। जिले में 682ग्राम पंचायतें हैं। शनिवार को 519ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम हुए हैं। मजदूरों की संख्या 15865रही। एक महीने पहले 12जून को कार्यस्थलों पर श्रमिकों की संख्या 18810थी।तीन हजार मजदूर पहले से कम हो गये हैं। ग्राम पंचायतों में पौधरोपण का काम ठीक से नहीं हो रहा है। अमेठी विकास खंड की दस, भेंटुआ की14,भादर विकास खंड की 17और संग्रामपुर विकास खंड की 11ग्राम पंचायतों में शनिवार को कोई काम नहीं हुआ। विकास खंड जामों में सबसे अधिक 21ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम नहीं हुए, फिर भी विकास खंड में काम करने वाले श्रमिकों की संख्या 2379बताई गई है।

कच्चे कार्यों पर जोर, पक्के काम के लिए पैसा नहीं

मनरेगा में अधिकारी 60और40का अनुपात ठीक रखने के लिए कच्चे कार्यों पर जोर दे रहे हैं। पक्के काम बहुत कम स्वीकृत किए जा रहे हैं। पौधरोपण, सम्पर्क मार्ग निर्माण, भूमि समतलीकरण और तालाबों की खुदाई अधिकांश कार्यस्थलों पर यही काम चल रहे हैं। लगभग सभी ग्राम पंचायतों में 80फीसदी जाब कार्ड खाली पड़े हुए हैं। महमूदपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने कि पिछले दो साल के भीतर उन्होंने दो आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया है।इंटर लाकिंग लगवाई है। लगभग चालीस लाख रुपए का पेमेंट बकाया है।

मनरेगा का संचालन ग्राम प्रधानों के लिए सबसे कठिन काम हो गया है। इस योजना के क्रियान्वयन में कई तरह की समस्याएं आ रही हैं।जब तक सरकार मजदूरी नहीं बढ़ाती, कार्यस्थलों पर मजदूरों की संख्या बढ़ाना बहुत मुश्किल है। कभी भी समय से पेमेंट नहीं होते हैं।सरकार को चाहिए कि फिर से सर्वे कराए और मजदूरी बढाए। लम्बित भुगतान यथाशीघ्र कराए जाएं।

अरविंद शुक्ल अध्यक्ष प्रधान संघ, अमेठी

कार हादसा: बर्तन कारोबारी की मौत, छह लोग घायल

बीघापुर,उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के नरोत्तमपुर गांव के पास गुरुवार देर रात एक कार हादसे में फतेहपुर निवासी बर्तन कारोबारी की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। फतेहपुर जिले के कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के पैगंबरपुर मोहल्ला निवासी 44 वर्षीय सुनील गुप्ता अपने परिवार के साथ बीघापुर कस्बे के शंकरनगर गांव में राकेश गुप्ता के गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने आए थे। गुरुवार देर रात जब वह परिवार समेत लौट रहे थे, तभी नरोत्तमपुर गांव के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में सुनील गुप्ता, उनकी पत्नी पूनम देवी (35), बेटी नेहा (10), रिश्तेदार गोरे (40), राधा देवी (35) और चालक दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को बीघापुर सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया।

नहरों में नहीं पहुंच रहा टेल तक पानी किसान परेशान

▸▸ जिला प्रशासन की माने तो नहर में पानी काफी समय से छोड़ा जा रहा है परंतु उस नहर का पानी रामनगर सीतारामपुर के आगे अभी तक नहीं पहुंच पाया है।

करण वाणी न्यूज

अमेठी। जनपद की विधानसभा अमेठी की नहरों में टेल तक पानी अभी तक नहीं पहुंचा है , गौरीगंज से होते हुए रामनगर से निकलते हुए पूर्वी क्षेत्र को निकालने वाली नहर में अभी तक उनकी टेल तक पानी नहीं पहुंच सका है जिस कारण लघु किसान अधिक परेशान है, जिला प्रशासन की माने तो नहर में पानी काफी समय से छोड़ा जा रहा है परंतु उस नहर का पानी रामनगर सीतारामपुर के आगे अभी तक नहीं पहुंच पाया है। आखिर में लघु किसान किस तरह से अपनी फसल को तैयार करेंगे इस बात की शिकायत कई बार तहसील प्रशासन से की जा चुकी है कि नहर को बांधकर उसका पानी अवरुद्ध कर दिया जाता है और वह रामनगर सीतारामपुर के आगे पानी नहीं पहुंच पाता है ।इस कारण खेतो मे धान की रोपाई ठप है। सूखे से प्रभावित किसान परेशान है। हजारो हेक्टेयर भूमि पर धान की रोपाई नही हो पा रही है। किसान परेशान है। किसान सरकार को कोस रहे है। बिकास खण्ड भेटुआ की ग्राम पंचायत खण्डहर, गौरिकपुर, हारीपुर, हीरापुर,बसहू,घटकौर,सोमनाभार, टिकवार,उसका आदि मे हजारो हेक्टेयर खेतो मे रोपाई नही हुई है। तो वहीं महमूदपुर, परसावा,पिनडोरिया, हथकिला, सहित दर्जनों गांवों में नहर की टेल तक पानी नहीं पहुंच सका है भाकियू लोकशक्ति युवा जिलाध्यक्ष शशि कांत तिवारी (पुजारी),रामराज तिवारी, समाजसेवी सूर्यभान तिवारी,विकास, जगत सिंह, विक्की सिंह कृष्णकुमार सिंह,अजय सिंह, राजेश यादव, दरोगा यादव,अंकित तिवारी महेन्द्र शुक्ला की अध्यक्षता मे ज्ञापन अधिशाषी अभियन्ता नहर को देगे।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मार्ग दुर्घटना में चार वाहन सहित आधा दर्जन लोग दुर्घटनाग्रस्त

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर घटित दो अलग अलग दुर्घटनाओं में एक यूपीडा वाहन सहित चार वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। दोनों दुर्घटनाओं में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। चार घायलों को यहां के सरकारी अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अयोध्या के थाना अमानी गंज अंतर्गत ग्राम कंजी निवासी चालक पंकज तिवारी पुत्र अशोक बोलेरो कार के जरिए लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहा था। तभी शनिवार को देर रात चालक ने ग्राम आलमऊ सराएं के सामने खराबी आ जाने के चलते अपनी कार मार्ग पर खड़ी कर दी। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम किसी दुर्घटना की आशंका के चलते कार को सुरक्षित स्थान पर खड़ी कराने लगी। इसी दौरान तेज रफ्तार आलू लदे पिकअप लोडर ने कार के पीछे जोरदार टक्कर मार दी और पलट गया।

आकाशीय बिजली गिरने से धान की बेड लगा रहे किसान की मौत

करण वाणी न्यूज

बांगरमऊ,उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अलौलापुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम अलौलापुर निवासी राहुल 22 वर्ष पुत्र रमाकांत आज सुबह खेत में धान की बेढ़ की रोपाई कर रहा था। जबकि पिता रमाकांत पड़ोस के खेत में काम कर रहे थे । तभी मूसलाधार बारिश शुरू हो गई । बारिश के दौरान तेज गड़ गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी । जिसकी चपेट में आकर राहुल बेहोश होकर गिर पड़ा और तड़पने लगा । राहुल को तड़पता देख आसपास खेतों में काम कर रहे किसान दौड़कर राहुल के पास आ गए और उसे उठाकर इलाज के लिए ले जाने की कोशिश करने लगे। लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि शव देखकर ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है कि आकाशीय बिजली के करंट से राहुल की जान गई है। उन्होंने बताया हां यह जरूर हो सकता है कि बिजली की तेज गड़गड़ाहट से राहुल को हार्ट अटैक हो गया हो जिससे उसकी मौत हो गई । उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि राहुल की मौत कैसे हुई है।

संक्षिप्त खबरें

दिनदहाड़े सरेराह मोबाइल छीनकर भाग रहे बाइकर्स लुटेरे को भीड़ ने दबोचा

शुक्लागंज, उन्नाव। शुक्रवार अपराह्न राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी में मोबाइल छीनकर भाग रहे एक बाइक सवार को भीड़ ने बहादुरी दिखाते हुए पकड़ लिया। हालांकि, उसका दूसरा साथी मोबाइल लेकर मौके से फरार होने में कामयाब रहा। ब्रह्म नगर निवासी अंशिका कश्यप, जो ब्यूटी पार्लर का कोर्स सीख रही हैं, ने बताया कि शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी सहेली के साथ घर लौट रही थीं। राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी के पास एक रेसिंग बाइक पर सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। अंशिका के शोर मचाने पर बाइक सवारों ने तेजी से भागने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान उनकी बाइक की चेन उतर गई। चेन उतरते ही पीछे बैठा युवक मोबाइल लेकर बाइक से कूदकर गलियों में भाग निकला, जबकि बाइक चला रहा युवक भीड़ के हत्थे चढ़ गया। भीड़ ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पकड़े गए युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है और उसके फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने सी एम सी के साथ बैठक कर विद्यालयों के युग्मन का किया विरोध

पाटन उन्नाव। प्राथमिक विद्यालय के युग्मन को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आव्हान पर ब्लाक इकाई सुमेरपुर नू विद्यालय प्रबन्ध समिति के साथ बैठक किया। विकास खण्ड सुमेरपुर के प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक अध्यक्ष विनोद सिंह के नेतृत्व मे विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय छोंछीराई खेडा में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सदस्य व अभिभावकों के साथ बैठक कर विद्यालय युग्मन की समस्याओं टर चर्चा किया। बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने कहा कि ग्राम सभा दो बड़े राज मार्ग के बीच में स्थित है इसलिए बच्चों को दूसरे विद्यालय भेजना असुरक्षित है द्य ग्राम प्रधान अभिषेक वर्मा ने कहा कि यह ग्राम सभा का एकलौता विद्यालय है और कोई भी विद्यालय 2 कि.मी. से कम दूरी पर नहीं है द्य एसएमसी अध्यक्ष संजू देवी ने कहा कि छात्रों को विद्यालय में शिक्षा के साथ सुरक्षा भी आवश्यक है इसलिए विद्यालय को अन्य विद्यालय के साथ जोड़ना गलत है द्य बैठक में उपस्थित प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष विनोद सिंह ने कहा कि शिक्षा आमजन का मौलिक अधिकार है द्य विद्यालय के युग्मन से छात्रों की शिक्षा व्यवस्था दयनीय स्थिति में हो जाएगी द्य युग्मन की यह नीति ग्रामीण क्षेत्र के लिए अभिशाप है द्य बैठक में दुर्गेश,शिव चरण, रोहित, कृष्णा अवस्थी, विनीत, हरी शंकर, रुद्र प्रताप सिंह, शिव मोहन, कुलदीप, जितेंद्र, देवी प्रसाद, कृष्ण पाल सिंह, गौरव, विक्रांत, श्रेया, दीक्षा, मंजू, प्रतिमा, पूनम, आरती देवी,पुष्पा,शिव देवी, सुमन, सिया दुलारी, कमला, कल्पना, माया, विनीता, सोनम, ममता, उषा आदि उपस्थित रहे।

डंपर और ट्रक की भिडंत से हाईवे पर लंबा जाम

मसौली बाराबंकी। बाराबंकी रामनगर हाईवे पर नेवला करसण्डा के निकट डंपर और आलू से लदे ट्रक की भिड़ंत में डंफर चालक घायल होने के साथ वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ तो वही ट्रक सड़क पर पलट गया। जिस कारण सड़क पर आलू की बोरियों से रास्ता बन्द हो गया सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस घण्टों मसकत के बाद आवागमन चालू कराया। लेकिन जिससे कई घंटा आवागमन बंधित रहा। बाराबंकी रामनगर हाईवे के नेवला करसण्डा के निकट गुरुवार की रात करीब 2 बजे डंफर और आलू से लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गया। जिसमें डंफर चालक घायल होने के साथ वाहन के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक का सड़क पर ही पलट गया। ट्रक पर लदा सारा का सारा आलू सड़क पर फैल गया जिससे आवागमन पूरी तरह से बन्द हो गया। और देखते ही देखते वाहनों की लम्बी कतार लग गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ट्रक और डंफर को सड़क के किनारे लगवाया। और आवागमन शुरू कराया सड़क पर आलू की बोरी होने के कारण एक रूट की जगह होने के कारण पुलिस बारी-बारी से दोनों रुटों के वाहनों को निकलने में लगी हुई थी।जिसक कारण जाम की स्थिति सुबह तक बनी रही।

पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा कंदरा स्वामी कुटी में बने गेट का किया उद्घाटन

बीघापुर,उन्नाव। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर श्री श्री 108 कंदरा स्वामी महाराज जी की विधि विधान से पूंजा अर्चन किया गया है। तहसील बीघापुर क्षेत्र के डौंडिया खेड़ा गांव स्थित श्री श्री 10 8 कंदरा स्वामी कुटी में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर लोक कल्याण लोकमंगल का कार्य करने वाले समाजसेवी पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह व उनके बड़े भाई मानवेंद्र प्रताप सिंह अपनी पूरी टीम के सहित कंदरा आश्रम पहुंचकर गेट का उद्घाटन किया अपने गुरु श्री श्री 108 कंदरा स्वामी महाराज के दर्शन कर विधि विधान से पूजन अर्चन कर कंदरा स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त किया श्री श्री 108 कंदरा स्वामी महाराज कुटिया द्वारा स्मृति शेष श्री प्रेम शांता नंदपुरी जी महाराज गुरु माता का पूंजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर विशाल भंडारा का भी आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र वासियों ने गुरु पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया आयोजित कार्यक्रम में सुशील मास्टर रंजन लाल राममिलन कृष्णा देवी लोधी शिवकुमार धीरज सिंह सूरत वाले छेदीलाल सुधीर गौतम रामखेलावन लोधी सतीश लोधी रासबिहारी सिंह सुदामा कुरील बबलू पासवान आरके सिंह मैनेजर सिंह राघवेंद्र सिंह पंकज सिंह कमलेश यादव आशु सिंह मीडिया प्रभारी राम जी सहित सैकड़ो लोगों ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रसाद ग्रहण किया।

विवाहिता ने की आत्महत्या, दो मासूमों से छिनी मां की ममता

पाटन,उन्नाव। जिले के बिहार थाना अंतर्गत ग्राम गोबरहा वार्ड नं0 6 में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। विश्वनाथ लोधी की 28 वर्षीय पुत्री रीता, पत्नी कमलेश लोधी ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रीता की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। वह दो छोटे-छोटे बेटों की मां थी–रौनक (8 वर्ष) और राज (6 वर्ष)। मासूम बच्चों की मां की असामयिक मौत ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। मृतका के पिता विश्वनाथ लोधी ने बताया कि रीता पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी, हालांकि वह किस कारण से तनाव में थी, इसका स्पष्ट पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन बदहवास हो गए और तत्काल पुलिस को सूचित किया गया।

डीएम-एसपी ने किया चंदन घाट का निरीक्षण

करण वाणी न्यूज

शुक्लागंज, उन्नाव। पवित्र सावन मास का शुभारंभ हो गया है, जिसके साथ ही गंगाघाट क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांवड़िये गंगा जल भरकर प्रसिद्ध लोधेश्वर धाम के लिए रवाना होने लगे हैं। इस महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन को देखते हुए, जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर कमर कस ली है। शुक्रवार अपराह्न को जिलाधिकारी उन्नाव गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक उन्नाव दीपक भूकर ने जाजमऊ चंदन घाट का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ अपर जिलाधिकारी उन्नाव सुशील कुमार, उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज द्विवेदी और क्षेत्राधिकारी नगर सोनम सिंह भी मौजूद रहीं। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद मातहतों को कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से यातायात व्यवस्था, घाटों पर साफ-सफाई, और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं ताकि कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह निरीक्षण कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को सिद्ध करता है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर कौशल यूथ आइकान सम्मान समारोह 15 जुलाई को

अमेठी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य विवेक कुमार ने बताया कि जनपद के बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय आई0टी0आई0 गौरीगंज में कौशल विकास मिशन, आई0टी0आई0 एवं सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जनपद स्तर पर 14 जुलाई को वृहद् रोजगार मेले एवं 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 11 प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षार्थियों को कौशल यूथ आइकान सम्मान समारोह तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त रोजगार मेले में 10 से अधिक विभिन्न सेक्टरों की नेशनल एवं मल्टीनेशनल कम्पनियॉ प्रतिभाग करेंगी जो 8वीं, 10वीं, 12वीं पास से लेकर उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं आई0टी0आई0 पास अभ्यर्थियों को 14 जुलाई को रोजगार प्रदान करेंगी तथा शैक्षणिक के साथ प्रतिभाग कर सकते है।

तेज रफ्तार ट्रक ने डंपर को मारी टक्कर, एक युवक की दर्दनाक मौत

करण वाणी न्यूज

नवाबगंज,उन्नाव। जिले के थाना अजगैन क्षेत्र के नवाबगंज में गुरुवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसने इलाके में हलचल मचा दी। तेज रफ्तार ट्रक ने डंपर को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे डंपर चालक मोहम्मद फैज की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आईं। हादसा रात करीब 2 बजे हुआ, जब ट्रक और डंपर की टक्कर से घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक युवक की पहचान मोहम्मद फैज (पुत्र अबू साहिमा) के रूप में हुई है, जो गोण्डा जिले के शानपुरवा कल्याणपुर का रहने वाला था। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, और अब पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, और परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे में घायल दो युवकों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल उन्नाव भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, अन्य दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और लोग मदद के लिए दौड़े। सूचना मिलते ही थाना अजगैन की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि ÷घटना की गहराई से जांच की जा रही है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है, और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। चश्मदीदों के मुताबिक, यह हादसा इतना भीषण था कि टक्कर की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। एक स्थानीय निवासी ने बताया, ÷ट्रक और डंपर के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऐसा लगा जैसे जमीन ही हिल गई हो। हादसा देख लोग सिहर गए। अब देखना ये है कि पुलिस इस फरार ट्रक चालक को कब पकड़ पाती है और क्या सच में यह हादसा सिर्फ लापरवाही का नतीजा था?

बाइक की आमने सामने की भिडंत में चार घायल

करण वाणी न्यूज

मसौली बाराबंकी। थाना क्षेत्र में बांसा बड़ागांव रोड़ पर दो बाइक आमने-सामने से भीड़ गई है। जिसमें सवार चार लोग घायल हो गए है। मसौली पुलिस ने ऐम्बुलेंस से सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया है। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। थाना सफदरजंग के अन्तर्गत ग्राम कुडी निवासी अंकित पुत्र सुभाष 35 वर्षीय ब्लेड सैम्पल लेकर के लिए बड़ागांव आ रहे थे कि गांव के करीब पहुंचे थे कि सामने से एक बाइक पर तीन लोग सवार थाना मसौली के अन्तर्गत ग्राम बांसा निवासी रंजीत पुत्र बाले 25 वर्षीय,विनय मौर्या पुत्र ईश्वर दीन 24 वर्षीय , करन पुत्र सुरेश के बीच जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें चारों लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस ने ऐम्बुलेंस से सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।जिनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

सामु0स्वा0 केन्द्र का अपर निदेशक ने किया निरीक्षण

अमेठी। जनपद में एक जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण चलने वाले दस्तक अभियान के अन्तर्गत सामु0स्वा0 केन्द्र गौरीगंज के अन्तर्गत ग्राम टिकरिया का चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अयोध्या मण्डल अयोध्या के अपर निदेशक डॉ0 वी0के0 वर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अंशुमान सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वी0बी0डी0 डॉ0 रामप्रसाद, अधीक्षक सामु0स्वा0 केन्द्र गौरीगंज डॉ0 राजीव सौरभ, जिला मलेरिया अधिकारी सुशील कुमार व ग्राम की आशा अनीता व आंगनबाडी सरोज मिश्रा उपस्थित थे। निरीक्षण में पाया गया कि ग्राम में संचारी रोग नियंत्रण य दस्तक अभियान से सम्बन्धित प्रचार-प्रचार सामग्री पोस्टर व बैनर चस्पा किये गये थे।

सामाजिक और आर्थिक गैर बराबरी दूर करने में फेल रही हैं केन्द्र की सभी सरकारें

करण वाणी न्यूज

अमेठी। बहुजन समाज पार्टी की ओर से बूथ कमेटियों के पुनर्गठन का काम जारी है। बसपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों के बीच बसपा की उपलब्धियों पर संवाद करने के बाद उन्हें पार्टी का प्राथमिक सदस्य बना रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष विजय गौतम ने महेशपुर सेक्टर के कुकहा रामपुर में बैठक कर बूथ कमेटियों का पुनर्गठन किया।
विजय गौतम ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी भारतीय संविधान के अनुरूप शासन व्यवस्था की स्थापना और देश में कानून का राज लाने के लिए संघर्षरत हैं।बहन मायावती का पूरा जीवन बाबा साहब डॉ अम्बेडकर के मानवतावादी मूवमेंट के लिए समर्पित है। उन्होंने देश के सबसे बड़े प्रदेश में सबसे अच्छा शासन करके दिखाया है। उत्तर प्रदेश की जनता इस समय बहन मायावती जी के शासन की याद कर रही है। बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा प्रभारी के के आर्य एडवोकेट ने शंकर गढ़ में बैठक कर बसपा की बूथ कमेटियों का पुनर्गठन किया। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर देश की सभी पार्टियां जातिवादी और आरक्षण विरोधी हैं।अब तक केंद्र में शासन कर चुकी कांग्रेस, जनता दल और भाजपा की सरकारें सामाजिक और आर्थिक गैर बराबरी दूर करने में फेल रही हैं। सेक्टर अध्यक्ष भगौती प्रसाद, सेक्टर सचिव राम समुझ, सुभाष चन्द्र,राम करन, प्रहलाद आदि मौजूद रहे। गौरीगंज संवाद के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष धर्म राज कोरी और कोषाध्यक्ष शिवशंकर ने कौहार और शाहगढ़ सेक्टर के गांवों में पार्टी समर्थकों के साथ बैठक और जनसंपर्क किया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल द्वारा शुक्रवार को विकास खंड भेटुआ के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी छत्रपाल सिंह तथा सीएचसी पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अभिमन्यु उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी कार्यालय भेटुआ में उपस्थिति पंजिका के अवलोकन से यह ज्ञात हुआ कि मनरेगा से संबद्ध केदार प्रसाद (एपीओ), अजय कुमार गुप्ता, सुरेंद्र कुमार जायसवाल, एवं अंशुमान विक्रम सिंह (सभी तकनीकी सहायक) द्वारा उपस्थिति पंजिका में न तो हस्ताक्षर किए गए थे, और न ही टूर अथवा स्थलीय भ्रमण का कोई उल्लेख किया गया था। इससे स्पष्ट होता है कि उक्त कर्मी कार्यालय में अनुपस्थित थे। इस पर उपयुक्त श्रम एवं रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर शीघ्र प्रस्तुत करें। इसी क्रम में दिनेश कुमार जायसवाल (सफाईकर्मी) एवं गुलाबचंद सहायक विकास अधिकारी, पंचायत भी अनुपस्थित पाए गए।

शुक्लागंज में सावन के पहले दिन उमड़ा आस्था का सैलाब, पुलिस रही नदारद

गंगा स्नान के बाद, श्रद्धालुओं ने नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

करण वाणी न्यूज

शुक्लागंज, उन्नाव। शुक्रवार को सावन के पवित्र महीने के पहले दिन शुक्लागंज में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। भोर पहर से ही श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचने लगे, जिससे घाटों पर भारी भीड़ देखने को मिली। गंगा स्नान के बाद, श्रद्धालुओं ने नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर के प्रमुख मंदिरों में जैसे गायत्री शक्तिपीठ स्थित महाकाल शिवमंदिर, पोनीरोड झंडा चौराहा स्थित झंडेश्वर मंदिर, कंचन नगर स्थित कंचनामाई मंदिर, राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर, सीताराम कॉलोनी स्थित शिवमंदिर, सुभाष नगर, ऋषि आश्रम, चंपापुरवा स्थित शिव मंदिर और गोपीनाथ पुरम भाग्येश्वर मंदिर में विशेष शाही श्रृंगार किया गया। देवारा स्थित वीर भद्रेश्वर मंदिर और बालूघाट स्थित आनंदेश्वर मंदिर समेत अन्य शिव मंदिरों में भी भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सावन का पहला दिन होने के कारण, शुक्लागंज के स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दूर-दराज से आए स्नानार्थियों ने भी गंगा में डुबकी लगाई। हालांकि, इस भारी भीड़ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर लापरवाही सामने आई। मिश्रा कॉलोनी से लेकर जाजमऊ चंदन घाट तक, गंगा स्नान के दौरान पुलिस की कोई मौजूदगी नहीं दिखी, जिससे भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस अनुपस्थिति ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए है। ऐसे महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर पर जबकि नगर के अलावा आसड्ढपास के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शुक्लागंज आते है, प्रशासन को भविष्य में अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

भैसहारा उदशाह मार्ग की जर्जर रोड पर सफर करना जान जोखिम में डालना

करण वाणी न्यूज

सफीपुर,उन्नाव। सफीपुर तहसील क्षेत्र के मियांगंज सफीपुर मार्ग से जुड़े भैसाहरा उदशाह संपर्क मार्ग की खस्ताहाली रोड ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी है। गहरे गड्ढे और जल भराव के कारण मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है।जिससे लोगो में आक्रोश है।ग्राम प्रधान उदशाह रामनारायण कुशवाहा ने बताया कि क्षेत्र में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के चलते भारी डंपरो का आवागमन से बढ़ गया है।मिट्टी खनन के कारण संपर्क मार्ग की हालत बदतर हो गई है। बारिश से गढ्ढो में पानी भर गया है। जिससे दोपहिया या चारपहिया वाहनो का निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में मार्ग कि स्थित और भी भयावाह हो गई है।आए दिन कीचड़ व जलभराव के कारण राहगीर फिसल कर घायल हो रहे है।यह मार्ग भैसाहरा, बृजपालपुर, अलीगंज, मत्तुखेड़ा उदशाह सहित कई गांवों को बांगरमऊ लखनऊ मार्ग से जोड़ता है।स्कूल जाने वाले छात्र किसान और रोजमर्रा के कार्य से आने जाने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे है। ग्रामीण रविंद्र कुमार,दिलीप कुमार, आफताब आलम प्रशासन से तत्काल कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि मिट्टी ले जाने वाले वाहनों पर जुर्माना लगाया जाए।और मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराई जाए। ग्रामीणों ने समस्या की जानकारी सफीपुर उपजिलाधिकारी शिवेंद्र वर्मा को फोन पर दी उपजिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र स्थलीय निरीक्षण कराने और रिपोर्ट जिलाधिकारी उन्नाव को भेजने की बात कही है।ग्रामीणों की मांग है कि बारिश को देखते हुए शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू हो।

बस स्टेशन पर हुआ कैंटीन का शुभारंभ

करण वाणी न्यूज

अमेठी। बस स्टेशन अमेठी पर शुक्रवार को नई कैंटीन का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक काशी प्रसाद ने फीता काट कर कैंटीन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि फूल चंद कसौंधन के साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, अधिवक्ता और नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। संचालक महेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया।ए आर एम काशी प्रसाद ने कहा कि बस स्टेशन पर अब यात्रियों के भोजन और जलपान की बेहतरीन और समुचित व्यवस्थाएं हो गई हैं। उन्होंने यात्रियों और नागरिकों से बस स्टेशन की साफ सफाई का ध्यान रखने की अपील की और कहा कि अमेठी डिपो यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कृत संकल्प है। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल,बार एसोसिएशन अमेठी के अध्यक्ष शिवमूर्ति तिवारी, सचिव उपेन्द्र शुक्ल, बामसेफ के जिला संयोजक संजीव भारती, कांग्रेस नेता बृजेन्द्र शुक्ल, एडवोकेट धर्मेंद्र नाथ शुक्ल,अवर अभियंता वी के सिंह, विपुल तिवारी, श्री नाथ चश्मा वाले,परवेज खान, प्रधान संघ के अध्यक्ष अरविंद शुक्ल, ग्राम प्रधान मीनाक्षी यादव, विकास खंड के सभी ग्राम पंचायत अधिकारी, रोडवेज के सभी कर्मचारी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

हाइटेक बनेगा एनिमल शेल्टर, पशुओं के लिए बनाए जाएंगे वॉर्ड

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 में एनिमल शेल्टर को हाइटेक बनाया जा रहा है। यहां पशुओं के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए जाएंगे। इसमें गाय के लिए अलग डॉग्स और अन्य पशुओं के लिए अलग वॉर्ड होगा। डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज किया जाएगा। ये काम शुरू कर दिया गया गया है। आगामी छह महीने में इसे पूरा किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण करीब 7 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि यहां पशुओं के जो शैल्टर क्षतिग्रस्त है। उनको तोड़कर नया बनाया जा रहा है। इसके अलावा ओपीडी और आईपीडी का निर्माण किया जा रहा है। इसमें किचन भी बनाया जा रहा है। इसके अलावा पशुओं के ट्रीटमेंट के लिए नए शेड और पशुओं के लिए बडे शैड बनाए जा रहे है। वहीं डॉग, मंकी और बर्ड और केट केज का भी निर्माण किया जाएगा।

जनपद के थानों द्वारा गश्त कर, संदिग्धों की चेकिंग की गयी

अमेठी। जनपद में शांति, सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए 11.07.2025 को पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, ÷मिशन शक्ति÷ नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिलाओं व बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण तथा आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के थानों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थानाक्षेत्र में भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त किया गया* तथा विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी।

बीडीओ ने लैन गौ शाला में किया ब्रहद पौध रोपण, लगवाया ट्री गार्ड

करण वाणी न्यूज

रामनगर, बाराबंकी। ब्रहद पौध रोपण अभियान के तहत दूसरे दिन भी बीडीओ जितेंद्र कुमार व ए डी ओ पंचायत अभय शुक्ला ने दिन भर कई ग्राम पन्चायतो में पौध रोपण किया व सचिवों से उन्हे बचाने के लिए सतत प्रयास करते रहने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत लैन की गौ शाला में पौध रोपण के बाद ग्राम प्रधान मन्नान ने तुरंत ट्री गार्ड लगाया तो बीडीओ ने कहा कि जितने पौधे लगे है सभी में यही व्यवस्था हो अभियान चलाकर गाँवो में पौधरोपण कराया। इसके अतिरिक्त् उन्होंने ब्लॉक परिसर मे। करवाए गए पौध रोपण में ट्री गार्ड लगवाए। बीते बुधवार को अभियान के दिन उन्होंने दतौली के प्रधान उमेश चंद्र व सचिव बीना चतुर्वेदी की मौजूदगी मे अम्बेडकर पार्क में ब्रहद पौध रोपन किया था व रोटी गांव, मसूदमऊ, उटखरा, अमोली अकीरतपुर, किन्हौली सहित ब्लॉक परिसर में भी पौधे लगाए थे।सचिव मनोज कुमार, तकनीकी सहायक प्रमोद कुमार वर्मा, चंदन सिंह,कुलदीप कुमार, संदीप रावत,विभा वर्मा,आनंद सिंह आदि मौजूद रहे।उधर प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राम कुमार मिश्रा ने अपनी ग्राम पंचायत अमोली में पौध रोपण किया और क्षेत्र में भ्रमण कर प्रधानों का उत्साह वर्धन किया।

शहबाज सरकार ने बढ़ाई मस्क की मुश्किलें

स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए ला सकती है सख्त नियम

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा की शुरुआत लगातार टल रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सरकार अब इस क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के लिए कड़े नियम बना रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक जैसी कंपनियों के लिए नए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि यादा देरी से मस्क की मुश्किलें बढ़ सकती हैं. हालांकि सख्त दिशानिर्देशों को लागू करने से पहले सरकार और अंतरिक्ष क्षेत्र की संस्थाएं कंपनियों से सुझाव भी ले रही हैं। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, हाल के भारत-पाकिस्तान और ईरान-इस्राइल विवादों के बाद पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर गया है। इसके बाद अब पाकिस्तान स्पेस एक्टिविटीज रेगुलेटरी बोर्ड सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ी कंपनियों के लिए कड़े सुरक्षा नियम ला रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यदि हाल के युद्ध न होते तो शायद इन सुरक्षा पहलुओं पर गौर नहीं किया जाता। स्टारलिंक पाकिस्तान में काम करने के लिए मार्च में मिला अस्थायी एनओसी समाप्त हो चुका है। अब सभी विदेशी सैटेलाइट ऑपरेटरों को नए बनाए गए सैटेलाइट कम्युनिकेशन रेगुलेशंस के तहत फिर से आवेदन करना होगा। इन कंपनियों को पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) से ऑपरेशनल लाइसेंस भी लेना होगा। स्टारलिंक के अलावा दो और कंपनियां, वनवेब और शंघाई स्थित शंघाई स्पेसकॉम सैटेलाइट टेक्नोलॉजी भी पाकिस्तान में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करना चाहती हैं।

बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप

ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी; एफईएमए पर साधी चुप्पी

बाढ़ पीड़ितों के लिए भावुक हुए ट्रंप

एजेंसी

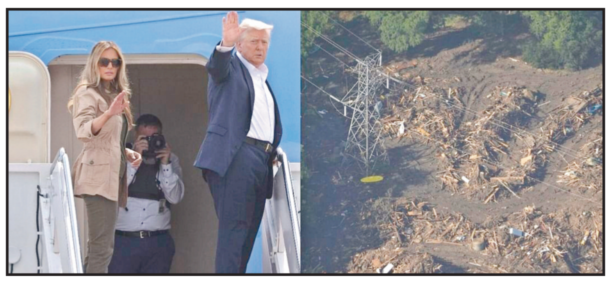

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया, जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 170 से यादा लोग लापता हैं। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी।

ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को डिजास्टर जोन घोषित कर, उन्हें फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया। ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने 'कैंप मिस्टिक' का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था। पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया।

उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी। उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं।

बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा फेडरल सहयोग

केर काउंटी कमिश्नर जेफ होल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है। ट्रंप ने इशारा किया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। व्हाइट हाउस के बजट निदेशक रसेल वॉट ने कहा कि फेमा के पास अभी भी राहत कार्यों के लिए फंड हैं, और टेक्सास को जो चाहिए, वह मिलेगा।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर बमबारी चार बचों समेत 23 की मौत

एजेंसी

बैंकॉक। म्यांमार के सागाइंग कस्बे के लिन ता लू गांव स्थित एक बौद्ध मठ पर बृहस्पतिवार की रात जमकर हवाई हमले किए गए। मठ परिसर में शरण लिए 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक इमारत पर रात 1 बजे बम गिराया गया, जहां 4 बचों समेत 23 लोग मारे गए। क्षेत्र में लड़ाई से बचने के लिए आसपास के गांवों के 150 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी। म्यांमार की स्वतंत्र डेमोक्रेटिक वॉयस ऑफ बर्मा ने बताया, मृतक संख्या 30 तक हो सकती है। सेना ने घटना पर टिप्पणी नहीं की है। दरअसल, फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और गृह युद्ध शुरू होने के बाद से म्यांमार उथल-पुथल में है। मठ पर हमला ऐसे वक्त हुआ, जब सैकड़ों सैनिकों ने लिन ता लू से 5 किमी क्षेत्र में टैंकों-विमानों के साथ आक्रामक अभियान में भाग लिया था। वे प्रतिरोध समूहों द्वारा नियंत्रित क्षेत्र वापस लेना चाहते थे। प्रतिरोध सेनानी ने कहा, यहां हजारों लोग गांवों में विस्थापित हो गए हैं। विपक्ष की राष्ट्रीय एकता सरकार के प्रवक्ता ने कहा, सैन्य शासन वर्ष के अंत में होने वाले आम चुनाव से पहले विद्रोही नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर फिर से कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से मतपेटी के माध्यम से सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को सामान्य बनाने का प्रयास बताया जा रहा है।

एप्स्टीन सेक्स स्कैंडल की फाइल्स पर ट्रम्प प्रशासन में विवाद

FBI के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉनजीनो इस्तीफा दे सकते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की खुफिया एजेंसी के FBI डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉनजीनो अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ष्टहह के मुताबिक उन्होंने इस पर विचार भी शुरू कर दिया है। इसके पीछे जेफरी एपस्टीन केस से जुड़ी फाइलों के खुलासे पर व्हाइट हाउस, स्न्क्च्छ और अमेरिका के न्याय विभाग (ष्ठह्रछ्व) के बीच चल रहा विवाद बड़ी वजह माना जा रहा है। बॉनजीनो और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी के बीच इस सप्ताह एक तेज बहस के बाद स्थिति और अधिक खराब हो गई है। बुधवार को स्न्क्च्छ डायरेक्टर काश पटेल, बॉनजीनो, बॉन्डी और ट्रम्प की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स की बैठक हुई। रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक में यह विवाद खुलकर सामने आया। बुधवार को हुई बैठक में यह सवाल किया गया कि क्या स्न्क्च्छ की तरफ से एक मीडिया रिपोर्ट लीक की गई थी जिसमें दावा किया गया कि एजेंसी और अधिक जानकारी सार्वजनिक करना चाहती थी, लेकिन जस्टिस डिपार्टमेंट ने रोक दिया। हालांकि, बॉनजीनो ने इस रिपोर्ट को लीक करने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने उस रिपोर्ट के समर्थन में दिए गए बयान पर हस्ताक्षर भी नहीं किए। बॉनजीनो और काश पटेल महीनों से बॉन्डी से नाराज थे। बॉन्डी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि स्न्क्च्छ अभी भी मामले की समीक्षा कर रही है, जबकि वह जांच पहले ही न्याय विभाग को सौंप दी गई थी। इस लेकर नाराजगी और बढ़ गई। बॉनजीनो की नाराजगी का एक और कारण 10 घंटे का एक निगरानी वीडियो है। वीडियो में 1 मिनट की क्लिप गायब थी, जिससे साजिश की अटकलें फैल गईं। इसके लिए बॉनजीनो को जिम्मेदार ठहराया गया। जेफ्री एप्स्टीन को पहली बार 2006 में फ्लोरिडा के पाम बीच से गिरफ्तार किया गया। एप्स्टीन को वेश्यावृत्ति और नाबालिगों को लालच देने के लिए दोषी ठहराया गया।

मस्क ने ट्रम्प का नाम एप्स्टीन केस में उछाला था

टेस्ला के ष्टश्वह्र मस्क ने 5 जून को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जेफरी एपस्टीन की फाइलों में शामिल है।मस्क ने ङ्ग पर लिखा था- अब बड़ा खुलासा करने का टाइम है। डोनाल्ड ट्रम्प का नाम एपस्टीन फाइलों में हैं। यही वजह है कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। डोनाल्ड ट्रम्प, आपका दिन शुभ हो। एक अन्य पोस्ट में कहा- इस पोस्ट को भविष्य के लिए नोट कर लें। सचाई सामने आएगी। हालांकि, बाद में मस्क ने वो पोस्ट डिलीट कर दी थी

युवाओं की प्रजनन दर गिरी, गर्भधारण की औसत उम्र 28 पहुंची

यूएनएफपीए की रिपोर्ट ने चेताया

जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी में सबसे तेज गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। आज के युवा तेजी से विवाह और गर्भधारण को टाल रहे हैं, जिससे न सिर्फ औसत गर्भधारण की उम्र बढ़ी है, बल्कि बड़ी संख्या में युवा अपनी मनचाही संतान संख्या से भी पीछे रह जा रहे हैं। कुछ देशों में यह समस्या काफी गहरा गई है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में दुनिया के युवाओं की बदलती प्रजनन प्राथमिकताओं और चुनौतियों को लेकर यह खुलासा है। वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की गति भले ही धीमी पड़ रही हो, लेकिन रिपोर्ट दर्शाती है कि समस्या केवल गिरती प्रजनन दर नहीं, बल्कि युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता और सीमित विकल्पों की भी है। दुनिया में गर्भधारण की औसत आयु अब 28 वर्ष हो गई है जो प्रजनन संबंधी व्यवहार में व्यापक बदलाव का संकेत है। युवाओं की घटती प्रजनन क्षमता की मुख्य वजह सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दबावों का संयोजन है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन, युद्ध, महामारी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता युवाओं को परिवार बढ़ाने से हतोत्साहित कर रही है। इसके साथ ही महंगा आवास, बच्चों की परवरिश का खर्च, नौकरी की असुरक्षा और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसे आर्थिक कारण भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। इन कारणों से बड़ी संख्या में युवा या तो गर्भधारण को टाल रहे हैं या इछित संख्या में संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में प्रजनन दर में सबसे तेज गिरावट दक्षिण कोरिया, जापान, इटली, स्पेन, चीन और जर्मनी जैसे देशों में देखी जा रही है।

ईरान ने 16 दिन में 5 लाख अफगानियों को निकाला

इजराइल से संघर्ष के बाद शरणार्थियों पर कार्रवाई तेज; जासूसी के आरोप भी लगाए

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने महज 16 दिनों में 5 लाख से यादा अफगान नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है। यह कार्रवाई 24 जून से 9 जुलाई के बीच हुई है। यानी हर दिन औसतन 30,000 से यादा अफगानों को देश से निकाला गया। संयुक्त राष्ट्र ने इसे दशक की सबसे बड़ी जबरन निकासी में से एक करार दिया है। ईरान इजराइल के साथ तनावपूर्ण संघर्ष के बाद आंतरिक सुरक्षा का हवाला देकर प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, वरना उन्हें जबरन निकाला जाएगा। जून में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन चले सैन्य संघर्ष के बाद यह अभियान और तेज हो गया। ईरान का दावा है कि कुछ अफगान नागरिक इजराइल के लिए जासूसी कर रहे थे. हालांकि इस आरोप के पुख्ता सबूत अब तक सामने नहीं आए हैं। ईरान का दावा है कि कुछ अफगान नागरिक इजराइल के लिए जासूसी कर रहे थे. हालांकि इस आरोप के पुख्ता सबूत अब तक सामने नहीं आए हैं। ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा।

इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर बेड़ियों में बांधा गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बचों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले। हर हफ्ते सैकड़ों बचों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। ह्र अधिकारी मिहयोंग पार्क ने ष्टहह से कहा कि यह संख्या चौंकाने वाली है।

डॉक्टरी छोड़ सियासत में आईं आंटी जेनी

72 साल में बनीं राष्ट्रपति; फुटबाल और पढ़ाई का शौक

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका के एक छोटे-से देश सूरीनाम के सर्वोच पद पर इसी महीने की सोलह तारीख को पहली बार एक महिला राष्ट्रपति के रूप में विराजमान होंगी। हाल ही में, सूरीनाम की संसद ने पेशे से चिकित्सक और दस साल तक नेशनल असेंबली की चेयरपर्सन रहीं डॉ. जेनिफर ग्रीलिंग्स सिमंस को देश की दसवीं राष्ट्रपति के रूप में चुना है। जेनिफर सिमंस पांच साल पहले सक्रिय राजनीति से संन्यास का एलान कर चुकी थीं, लेकिन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति डेसी बाउटर्स का बीते साल निधन होने के बाद पार्टी नेतृत्वहीन हो गई। अन्य नेताओं के आग्रह पर जेनिफर ने पार्टी की कमान संभाली और उनके नेतृत्व में इस साल मई में हुए आम चुनाव में एनडीपी सत्ताधारी प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी से एक सीट यादा जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन दो-तिहाई बहुमत से काफी पीछे थी। यह जेनिफर सिमंस की सर्वस्वीकार्यता और करिश्माई नेतृत्व ही है कि अन्य विपक्षी पार्टियों ने उन्हें समर्थन देकर अपने देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनने का गौरव प्रदान किया।

शुरुआत जेनिफर सिमंस का जन्म पांच सितंबर, 1953 को अटलांटिक महासागर के नजदीक और सूरीनाम नदी के उत्तरी तट पर स्थित देश की राजधानी पारामारिबो में हुआ था। जेनिफर ने स्कूली शिक्षा हासिल करने के बाद एंटोन डी कॉम विश्वविद्यालय से मेडिसिन में चिकित्सा की डिग्री हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने महामारी विज्ञान और कुष्ठ रोग प्रबंधन में स्नातकोत्तर भी किया। त्वचा रोग विशेषज्ञ के रूप में काम करने वाली जेनिफर ने 29 जून, 1981 को चिकित्सक डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स से शादी की। उनके तीन बचे एडवर्ड, जोनाथन और नाओमी हैं। 2020 में डॉ. जेनिफर तो अपनी संसदीय सीट से चुनाव जीत गईं, लेकिन उनकी पार्टी को दस साल शासन करने के बाद सत्ता गंवानी पड़ी। इसके बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी और अपना पुराना डॉक्टरी का पेशा फिर से शुरू कर दिया।

राजनीति में एंट्री

डॉ. जेनिफर सिमंस और उनके पति डॉ. ग्लेन ग्रीलिंग्स की अच्छी-खासी मेडिकल प्रैक्टिस चल रही थी, लेकिन 1996 में जेनिफर ने चिकित्सा का पेशा जारी रखते हुए राजनीति में कदम रखा। इसी साल उन्होंने पारामारिबो जिले से एनडीपी की तरफ से चुनाव भी लड़ा और चुनकर नेशनल असेंबली में पहुंचीं। वह एनडीपी की उपाध्यक्ष बनीं और 2000 से 2006 तक संसदीय दल की नेता भी रहीं। वर्ष 2010 में जब एनडीपी सत्ता में आई, तो डॉ. जेनिफर सिमंस को नेशनल असेंबली का अध्यक्ष चुना गया। इस पद पर पहुंचने वाली वह देश की दूसरी महिला बनीं।

एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म की फ्रांस में जांच

डाटा से छेड़छाड़ और धोखाधड़ी करने का है आरोप

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। यह जांच डाटा से कथित छेड़छाड़ और धोखाधड़ी के आरोप में की जा रही है। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को जांच शुरू करने की घोषणा की। कार्यालय ने बताया कि इस जांच को एक खास शाखा- फ्रांसीसी जेंडरमेरी कर रही है। अभियोजक कार्यालय के बयान में कहा गया है कि जांच दो गंभीर आरोपों पर की जा रही है।- एक स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज के साथ संगठित छेड़छाड़, और एक स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम से संगठित धोखाधड़ी करके डाटा चोरी करना। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि एक्स ने क्या किया है, लेकिन जांच में प्लेटफॉर्म और कुछ लोगों- दोनों को शामिल किया गया है। बयान में अभी उन लोगों का नाम या एक्स में उनकी क्या भूमिका हो सकती है, नहीं बताया गया है। अभियोजक कार्यालय ने कहा कि यह जांच दो लोगों की दी गई जानकारी पर शुरू की गई है। इनमें से एक व्यक्ति संसद सदस्य है और दूसरा किसी फ्रांसीसी सरकारी संस्था में उच पद पर है। कार्यालय ने बताया कि एक्स का एल्गोरिदम शायद किसी विदेशी हस्तक्षेप के लिए इस्तेमाल किया गया है। हालांकि, उन्होंने अभी यह साफ नहीं किया है कि यह हस्तक्षेप कैसे और क्यों हुआ। अभियोजक कार्यालय ने खुद भी की जांच अभियोजक कार्यालय ने यह भी बताया कि उन्होंने खुद भी जांच की, और कुछ फ्रांसीसी शोधकर्ताओं व विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों से अतिरिक्त जानकारी ली। इसके बाद ही पुलिस जांच का फैसला किया गया। एक्स पर लगे आरोपों को लेकर कंपनी के प्रेस कार्यालय को ईमेल भेजकर प्रतिक्रिया मांगी गई है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

रूस ने पोलिश वाणिय दूतावास बंद किया

मास्को। रूस ने शुक्रवार को पोलैंड के एक वाणिय दूतावास को बंद करने का आदेश दिया। यह दूतावास रूस के कैलिनिनग्राद शहर में था। यह फैसला रूस और पोलैंड के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। पोलैंड ने पहले अपने शहर क्राको में रूस का एक वाणिय दूतावास बंद कर दिया था। रूस का कहना है कि यह नया फैसला पोलैंड की उसी कार्रवाई का जवाब है। रूस ने कहा, अगर कोई हमारे खिलाफ गलत कदम उठाएगा, तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। पोलैंड ने क्राको में रूसी दूतावास इसलिए बंद किया था, क्योंकि राजधानी वारसॉ के एक शॉपिंग सेंटर में आग लग गई थी। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने आरोप लगाया कि यह आग रूस की खुफिया एंजेंसियों ने लगवाई थी। यह आग 12 मई 2024 को लगी थी। हालांकि, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इसमें 1,400 दुकानें और सर्विस सेंटर तबाह हो गए। इनमें से कई दुकानें वियतनामी लोगों की थीं।

कतर में अमेरिकी बेस पर गिरी थी ईरान की मिसाइलः अमेरिकी रक्षा मंत्रालय

यह बयान एसोसिएटेड प्रेस की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों के बाद आया। इनमें एयरबेस पर हमले का असर साफ दिखता है।

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पहली बार पुष्टि की है कि 22 जून को कतर में मौजूद उसके मिलिट्री एयरबेस पर ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल गिरी थी। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पर्नेल ने शुक्रवार को कहा कि मिसाइल से बेस पर सामान और ढांचे को हल्का नुकसान हुआ है। लेकिन एयरबेस अभी भी पूरी तरह चालू है और अमेरिका अपने कतरी साझेदारों के साथ मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा मिशन को जारी रखे हुए है। ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस को निशाना बनाया था। उसने कुल 6 मिसाइलें दागी थीं। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) ने भी हमले की पुष्टि करते हुए बताया था कि उसने कतर में अमेरिका के बेस पर जवाबी मिसाइल हमला किया है। यह बयान एसोसिएटेड प्रेस की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों के बाद आया। इनमें एयरबेस पर हमले का असर साफ दिखता है। तस्वीरों के मुताबिक, 23 जून की सुबह एयरबेस पर एक जियोडेसिक डोम मौजूद था, जो हमले के बाद पूरी तरह नष्ट हो चुका है। यह डोम एक सैटेलाइट कम्युनिकेशन टर्मिनल को ढंकता था। इस टर्मिनल को 2015 में 15 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया था। इसके अंदर एक सैटेलाइट डिश लगी हुई थी। जो अमेरिकी वायु सेना की 379वीं वायु अभियान शाखा के लिए कम्युनिकेशन सिस्टम का हिस्सा थी। हमले के बाद की तस्वीरों में दिखा कि यह नहीं है और पास की एक इमारत को भी नुकसान हुआ है। हालांकि, एयरबेस का बाकी हिस्सा काफी हद तक सुरक्षित दिखता है। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर 7 क्क-2 बॉम्बर से हमला किया था। इनमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल थे।ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइल गिराने के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका का बड़ा एक्शन, लगाया वीजा और अन्य प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल और अन्य शीर्ष नेताओं व कई अधिकारियों पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंध लगा दिए हैं। साथ ही, अमेरिका ने इन नेताओं की वीजा तक पहुंच भी सीमित कर दी है। यह कदम जुलाई 2021 में हुए क्यूबा के बड़े विरोध प्रदर्शनों की वर्षगांठ पर उठाया गया है। बता दें कि जुलाई 2021 में क्यूबा के कई शहरों में बिजली कटौती, भोजन की कमी और आर्थिक संकट को लेकर आम लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध किया था। यह प्रदर्शन किसी विपक्षी पार्टी के नेतृत्व में नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से शुरू हुए थे। इन प्रदर्शनों को सरकार ने सख्ती से दबा दिया, जिसमें सैकड़ों लोगों की गिरफ्तारी हुई। एक प्रदर्शनकारी की मौत भी हुई थी।

यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में चार लोगों की मौत, 11 लापताः यूरोपीय संघ

एजेंसी

दुबई। यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने शुक्रवार को बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक मालवाहक जहाज लाल सागर में डूब गया। इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा था। नौसैनिक मिशन ने कहा कि हमले में कम से कम चार लोगों के मारे जाने और 11 अन्य के लापता होने की आशंका है। यह जानकारी यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स नाम के नौसैनिक मिशन ने दी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब निजी सुरक्षा बल यूनानी स्वामित्व वाले जहाज एटरनिटी सी के बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह जहाज बुधवार को डूब गया था। यूरोपीय संघ के अभियान के अनुसार, हमले के बाद अब तक 10 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें 8 फिलिपिनो चालक दल के सदस्य हैं। बाकी दो जहाज की तीन सदस्यीय सुरक्षा टीम से हैं- इनमें एक यूनानी और एक भारतीय शामिल हैं। मिशन ने बताया कि 15 लोग लापता हैं, जिनमें से चार की मौत होने की आशंका है। यूरोपीय संघ मिशन ने कहा, आस-पास के सभी जहाजों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

फलस्तीनियों का समर्थन करने वाले जहाजों पर कर रहे हमला- हूती हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में फलस्तीनियों का समर्थन करने वाले जहाजों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अब तक चार जहाजों को डुबो चुके हैं और उन नाविकों को मार चुके हैं, जिनकी युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी।

एटरनिटी सी पर हमला पिछले हफ्ते मैजिक सीज नाम के जहाज पर हुए हमले जैसा ही था। इन दोनों घटनाओं के समय कोई यूरोपीय या अमेरिकी नौसेना इन जहाजों के साथ नहीं थी। हूतियों ने पहले भी नाविकों को बंधक बनाया है। नवंबर 2023 में उन्होंने गैलेक्सी लीडर नामक जहाज को कब्जे में ले लिया था और उसके चालक दल को इस साल जनवरी तक बंधक बनाकर रखा।

नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक, हूतियों ने मिसाइलों और ड्रोन से 100 से यादा जहाजों को निशाना बनाया। युद्ध में एक संक्षिप्त युद्धविराम के दौरान उन्होंने अपने हमले रोक दिए। बाद में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विद्रोहियों के साथ युद्धविराम की घोषणा से पहले, उनके आदेश पर हूतियों पर हफ्ते भर तक हवाई हमलों का एक तीव्र अभियान चलाया गया।

हूतियों पर नाविकों के अपहरण का आरोप

हूती विद्रोहियों ने कहा कि कुछ चालक दल के सदस्य उनके कब्जे में हैं। एक दशक से सऊदी अरब से संचालित यमन में अमेरिकी दूतावास ने हूतियों पर नाविकों का अपहरण करने का आरोप लगाया है। ईरान समर्थित हूतियों द्वारा किया गया यह हमला अब तक के सबसे घातक समुद्री हमलों में से एक है, जो इस महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्ते पर किया है। इस रास्ते से पहले हर साल करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का माल जाता था।

मीना कुमारी और मधुबाला की बायोपिक करना चाहती हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी जल्द ही सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि वो मधुबाला या मीना कुमारी जैसी आइकॉनिक शख्सियतों की बायोपिक करना चाहती हैं। अमर उजाला डिजिटल के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 'लैला मजनू' की असफलता ने उन्हें निराश किया था, लेकिन 'बुलबुल' की सफलता ने उनका आत्मविश्वास दोबारा लौटा दिया।

'धड़क 2' को लेकर आप कितनी उत्साहित हैं? क्या सीक्वल फिल्म में काम करने का अलग प्रेशर होता है?
मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। सीक्वल में काम करना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है, लेकिन मेरे हिसाब से प्रेशर लेना या न लेना, ये पूरी तरह व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं दबाव नहीं लेती। मेरा मानना है कि जब आप दबाव में काम करते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। असली जादू तब होता है जब आप बिना किसी दबाव के पूरी ईमानदारी से और अपने डायरेक्टर व टीम पर भरोसा रखते हुए काम करें। शूटिंग के दौरान हमने हर दिन को सहजता से लिया, एक-दूसरे पर भरोसा रखा और दिल से काम किया। शायद इसी वजह से स्क्रीन पर भी सब कुछ दिल से जुड़ा हुआ लगता है।

डायरेक्टर शाजिया इकबाल के साथ आपका जुड़ाव कैसे हुआ?

करण जौहर सर का कॉल आया और उन्होंने कहा कि एक बेहद टैलेंटेड डायरेक्टर हैं शाजिया इकबाल। इन्होंने 'बेबाक' नाम की शानदार शॉर्ट फिल्म बनाई है। उन्होंने मुझसे कहा कि पहले वो फिल्म देखो, फिर शाजिया तुमसे मिलेंगी। फिल्म देखने के बाद मैं बहुत इंप्रेस हुई और अगले दिन ही शाजिया और राइटर राहुल से मिली। उनकी नरेशन इतनी दिलचस्प थी कि बातचीत खत्म होने के बाद भी हम किरदारों पर चर्चा करते रह गए। कनेक्शन वहीं से हो गया। ऐसे बहुत सारे रोल हैं जो मैं करना चाहती हूं। लेकिन अगर खास तौर पर कहूं तो मुझे अब एक्शन करना है। अभी तक कभी एक्शन नहीं किया और मुझे लगता है कि वो एक ऐसा जॉनर है जिसमें बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आप अपनी बॉडी का इस्तेमाल करते हैं, फाइट सीक्वेंस होते हैं। उस जोन में काम करना फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से डिमांडिंग होता है।

आज के दौर में ग्रे और निगेटिव किरदारों को खूब सराहा जाता है। क्या ऐसे रोल एक एक्टर को खुद को साबित करने का ज्यादा मौका देते हैं?
काजोल मैम ने गुप्त में कमाल का काम किया था। अगर उस तरह का कोई रोल मिले, तो मैं जरूर करना चाहूंगी। अब वो जमाना नहीं रहा जब निगेटिव रोल्स को सिर्फ विलेन समझा जाता था। आज के दौर में अगर आप एक ग्रे या निगेटिव कैरेक्टर को गहराई और सच्चाई के साथ निभाते हैं, तो ऑडियंस उसे अलग तरह से तारीफ करते हैं।

क्या कोई बायोपिक करने की भी ख्वाहिश है?

बहुत, मैं बायोपिक जरूर करना चाहती हूं। मैं मीना कुमारी जी और मधुबाला जी की बहुत बड़ी फैन हूं। अगर उनकी जिंदगी पर कोई बायोपिक बन रही हो और मुझे उसमें मौका मिले, तो वो मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

आपने कॉलेज स्टूडेंट का रोल निभाया

कई बार,जब हम क्लासरूम में शूट कर रहे थे, तो ऐसा लगता था कि सच में कॉलेज में बैठे हैं। हमें डायरी मिलती थी, हम क्लासरूम में बैठते थे और वो सारे पुराने गेम्स खेलने लगते थे जैसे नेम प्लेस, एनिमल, थिंग - जो हम बचपन में खेलते थे। उस समय कॉलेज की बहुत सी यादें ताजा हो गईं। पूरी यूनिट ने ये कोशिश की कि एक रियल कॉलेज गैंग जैसा माहौल बने, वही मस्ती, वही एनर्जी। जबकि फिल्म का टोन सीरियस है, लेकिन पर्दे के पीछे हम सब बहुत हंसी-मजाक कर रहे थे। वो मजा अलग ही था।
मैंने खुद ऐसा अनुभव नहीं किया, लेकिन कई किस्से सुने हैं दोस्तों से, जानने वालों से। जैसे एक बार किसी की शादी में उनके रिश्तेदार नहीं गए, सिर्फ इसलिए कि वो इंटरकास्ट मैरिज थी। उस समय शायद किसी ने ज्यादा सवाल भी नहीं उठाया। बस कहा गया अरे अलाउड नहीं होगा और बात खत्म। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब हम पूछते हैं क्यों अलाउड नहीं होगा? और मुझे लगता है कि ये सवाल उठाना बहुत जरूरी है। यही 'धड़क 2' जैसी फिल्मों की जरूरत भी है। क्योंकि हम सोचते हैं कि ऐसी चीजें तो अब नहीं होतीं, लेकिन हकीकत ये है कि आज भी और वो भी सिर्फ गांवों में नहीं बल्कि पढ़े-लिखे शहरों में, ये सब होता है।
फिल्मों को समाज का आइना माना जाता है। आपके हिसाब से क्या फिल्में समाज में कोई सुधार ला सकती हैं?
फिल्में सुधार ला सकती हैं।

परवरिश: पीयर प्रेशर से बच्चों को कैसे बचाएं, हर माता-पिता को जाननी चाहिए ये बातें

दूसरों जैसी चीज़ों की बार-बार मांग सिर्फ़ ज़िद नहीं है, यह दबाव का संकेत हो सकती है। इसका असर बच्चे की सोच और व्यवहार पर भी पड़ता है।बचपन अब पहले जैसा सरल नहीं रहा। पढ़ाई, दोस्तों, फैशन और सोशल मीडिया का दबाव बच्चों पर बढ़ रहा है। जब यह दबाव बच्चों के आत्मविश्वास और निर्णयों को प्रभावित करने लगता है, तो इसे 'पीयर प्रेशर' कहा जाता है। अभिभावकों का दायित्व है कि वे सकारात्मक माहौल देकर बच्चों को सही निर्णय करना सिखाएं। अपने इस दायित्व को इस तरह निभाएं...

आत्मविश्वास की नींव मज़बूत करें

बच्चे में आत्मविश्वास घर से पनपता है। जब उसे यह अहसास हो कि वह जैसा है, वैसा ही ठीक है और उसके माता-पिता उसकी क़ाबिलियत को समझते हैं, तब वह दूसरों के कहने में आकर खुद को कम नहीं आंकता। इसलिए उसकी छोटी-छोटी कोशिशों की सराहना करें।
उदाहरण... यदि बच्चा कहे, 'मम्मा, मेरे दोस्त ने कहा कि मैं कमज़ोर हूं क्योंकि मुझे फुटबॉल खेलना नहीं आता' तो इस स्थिति में जवाब दें, 'बेटा, हर कोई हर चीज़ में अच्छा नहीं होता, सोचो न तुम अपनी क्लास में गणित में सबसे तेज़ हो। यही तुम्हारी ताकत है। और फुटबॉल भी तुम सीख सकते हो। बस, कोशिश करते रहो।'

सही-ग़लत में फ़र्क़ करना समझाएं

बच्चे को यह समझना बहुत ज़रूरी है कि जो सब कर रहे हैं, वही सही नहीं होता। उसे ख़ुद सोचने, परखने और निर्णय लेने की समझ होनी चाहिए।
उदाहरण... बच्चा कहता है, 'सभी दोस्त होमवर्क नहीं कर रहे हैं क्योंकि सर ज़्यादा नहीं डांटते।' इस स्थिति में ग़ुस्सा करने के बजाय कहें, 'दूसरे ग़लत कर रहे हैं ये तुम भी जानते हो। लेकिन सोचो अभी होमवर्क न करने पर परीक्षा में कमज़ोर साबित होगे, क्या वो सही होगा? नहीं न! इसलिए आप वो करो जो सही है, देखा-देखी नहीं।'

निर्णय के साथ कारण देना सिखाएं

बच्चे को यह सिखाएं कि दूसरों के सामने चुप न रहे। जब कोई उसके निर्णय पर सवाल उठाए, तो वह शांतिपूर्वक और तर्क के साथ अपना जवाब दे।
उदाहरण... अगर वह कहे, 'मेरे दोस्त बोलते हैं कि मेरा लंच बोरिंग है, उनके पास बर्गर और पिज़्ज़ा होता है, मैं उन्हें कुछ नहीं कह पाया।' तब उसे समझाएं कि आप उन्हें कह सकते थे कि मेरा लंच पौष्टिक है। इससे मैं दिनभर एनर्जेटिक रहता हूं। हम रोज़ मैदे-मक्खन वाला खाना खाने से बीमार हो सकते हैं।

रोज़ बातें करें और उसकी बातें सुनें

बच्चों से बातचीत सिर्फ़ पढ़ाई या सिखाने-समझाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। दिनभर में 10-15 मिनट केवल बच्चे की बात सुनने और उसे समझने के लिए रखें, ताकि उसे ये यक़ीन रहे कि आप उसकी बात ज़रूर सुनेंगे। नियमित रूप से की गई ये बातचीत उसके पीयर प्रेशर को शुरुआती समय में ही ख़त्म कर पाएगी।
उदाहरण... यदि बच्चा कहे, मेरे दोस्त मेरी रफ़ कॉपी को देखकर मज़ाक़ बनाते हैं तो उसे समझाएं और कहें, 'बेटा, तुम्हें पता है काग़ज़ बनाने के लिए कई पेड़ काटने पड़ते हैं। अब तुम ही सोचो इस रफ़ कॉपी को इस्तेमाल करके तुमने प्रकृति की कितनी मदद की। इसलिए दोस्तों को बताना कि तुम रियल हीरो हो।'

सही तरीक़े से 'ना' कहना सिखाएं

कई बार बच्चे सिर्फ़ इसलिए दोस्त की ग़लती में शामिल हो जाते हैं क्योंकि उन्हें 'ना कहना' नहीं आता। इसलिए उन्हें सिखाएं कि असहमति जताना बुरा नहीं, बल्कि एक साहसिक क़दम है।
उदाहरण... अगर बच्चा बोले, 'दोस्त कह रहे थे कि आज स्कूल बंक कर लें' तो इस पर हंसने के बजाय उसे समझाएं कि बेटा, अगली बार वो आपसे पूछे तो आप उनको बोलना, 'नहीं, मुझे अपनी पढ़ाई छोड़कर मस्ती नहीं करनी, क्योंकि इससे मेरा नुक़सान होगा। मैं घर जाकर खेलूंगा।'

कुछ अतिरिक्त उपाय भी

1. बच्चों को सिखाना चाहते हैं कि तुलना नहीं करनी है तो स्वयं भी घर में इस तरह की बातचीत न करें।
2. उन्हें प्रेरणादायक कहानियां सुना सकते हैं। इससे उनका मन सकारात्मक रहेगा।
3. कभी-कभी बच्चों को सलाह नहीं, सिर्फ़ सहानुभूति और कोई सुनने वाला चाहिए होता है। इसलिए ध्यान से सुनें और सवाल करें, 'क्या तुम मुझे और बताना चाहोगे कि तुम्हें कैसा लग रहा है?'

सेहत: सावन में प्रकृति से मिलेंगे सेहत के कई लाभ, हर पेड़-पौधे से मिलेंगे ढेर सारे फ़ायदे

हरे-भरे सावन में प्रकृति अपने आंचल में सेहत के अनमोल तोहफ़े लेकर आती है, जिनका सेवन शरीर को भीतर से दृढ़ बनाता है। सावन का महीना न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है, बल्कि यह ऋतु परिवर्तन का भी समय होता है। आयुर्वेद के अनुसार, वर्षा ऋतु में वात और पित्त दोष असंतुलित हो जाते हैं, जिससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर हो सकती है। ऐसे समय में कुछ विशेष औषधीय पौधे त्रिदोष को संतुलित रखने और रोगों से बचाने में अत्यंत प्रभावी माने जाते हैं।

इनका सेवन सावन में महत्वपूर्ण है...

नीम
इसकी पत्तियों में जीवाणुरोधी और फफूंदरोधी गुण होते हैं, जो त्वचा रोगों और संक्रमण से रक्षा करते हैं।
उपयोग- नीम की पत्तियों को उबाल लें। उसके पानी को सादे पानी में मिलाकर नहाएं। इस समय नीम की दातुन मुंह की सफ़ाई और मसूड़ों के लिए लाभकारी है।

हल्दी
हल्दी की पत्तियां इस समय फंगलरोधी, जीवाणुनाशक वे वात-पित्त संतुलनकारी गुणों के कारण विशेष रूप से उपयोगी होती हैं।
उपयोग- हल्दी की पत्तियों को पीसकर नारियल तेल में मिलाकर लगाने से त्वचा से खुजली, फंगल संक्रमण जैसी समस्याएं दूर होती हैं। सावन में ख़ासकर व्रत या तीज-त्योहार के पकवानों में इसका प्रयोग किया जा सकता है।

कढ़ी पत्ता
इसकी पत्तियां त्रिदोषहर (वात, पित्त, कफ संतुलनकारी), अग्निदीपक (पाचन शक्ति बढ़ाने वाली) और नेत्र व यकृत (लीवर) के लिए लाभकारी होती हैं।
उपयोग- सावन में अपच, पेट फूलना और गैस की समस्या आम होती है। कढ़ी पत्ते को छाछ, दाल या सब्ज़ी में तड़के के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

गिलोय
इसे आयुर्वेद में 'अमृता' कहा गया है क्योंकि यह बुख़ार, कमज़ोरी और डेंगू जैसी बीमारियों में प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है। गिलोय का काढ़ा सर्दी, खांसी और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाने में भी मदद करता है।
उपयोग- दो कप पानी में गिलोय की पत्तियां, थोड़ी-सी हल्दी, कुछ पत्तियां पुदीने की, थोड़ी-सी दालचीनी, काली मिर्च, अदरक, लौंग और शहद डालकर पकाएं। जब यह पककर आधा हो जाए तब ठंडा करके इसका सेवन करें।

तुलसी
इसकी पत्तियां श्वसन तंत्र को मज़बूत करती हैं और वायरल बुख़ार व ज़ुकाम के उपचार में बेहद उपयोगी हैं।
उपयोग- तुलसी की चाय या काढ़ा सर्दी-ज़ुकाम में लाभदायक है। सामान्य रूप से भी रोज़ इसका इस्तेमाल चाय में करना फ़ायदेमंद होगा।

अदरक
सावन में जब वातावरण में अत्यधिक नमी के कारण पाचन संबंधी परेशानियां, सर्दी-ज़ुकाम और त्वचा संक्रमण बढ़ जाते हैं, तब अदरक और उसकी पत्तियां फ़ायदेमंद साबित होती हैं।
उपयोग- इसकी पत्तियों को खाने में उपयोग कर सकते हैं। अदरक की चाय बना सकते हैं और इसको पानी में उबालकर भाप भी ले सकते हैं।

ब्राह्मी
सावन का महीना जहां वातावरण को ठंडा और शांत करता है, वहीं मानसिक थकावट, आलस्य और चिंता जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में ब्राह्मी का उपयोग शरीर और मन दोनों के लिए अमृत समान होता है।
उपयोग- 6-8 ताज़ी पत्तियों को एक कप पानी में उबालें। इसमें तुलसी, पुदीना या शहद मिलाकर पिएं।

उपयोग से पहले ध्यान दें

कुछ लोगों को ब्राह्मी, नीम या अदरक से एलर्जी हो सकती है। अत~ शुरू में थोड़ी मात्रा लें और शरीर की प्रतिक्रिया देखें। अधिक मात्रा में सेवन न करें। गर्भवती या स्तनपान कराने वाली माताएं या गंभीर बीमारियों से ग्रसित लोग डॉक्टर की सलाह से ही किसी औषधि का सेवन करें।

पेड़ों की छांव भी देगी लाभ
सावन का महीना पौधे लगाने के लिए उपयुक्त समय होता है। आप वे पौधे घर के आसपास लगा सकते हैं जिनकी जड़ें घर की नींव को नुक़सान न पहुंचाएं।
अशोक लंबा व सीधा बढ़ने वाला यह पेड़ सुंदरता और छांव दोनों प्रदान करता है। इसकी जड़ें सतही होती हैं, इसलिए इसे घर के पास भी लगाया जा सकता है।

आशीष दीक्षित ने इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ एक्टिंग की राह चुनी

जॉब में खुशी नहीं थी, जिंदगी में कुछ अलग करना था

टीवी शो पति ब्रह्मचारी में नजर आ रहे एक्टर आशीष दीक्षित ने एक्टिंग में करियर बनाने के लिए इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ दी थी। उन्होंने शो बाल गोपाल करे धमाल से टीवी पर डेब्यू किया था। अब तक वह कई टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने बताया कि एक्टिंग में आने के लिए उन्हें किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा उन्होंने पति ब्रह्मचारी शो को लेकर भी बात की।

आपके शो का नाम पति ब्रह्मचारी है। इसका क्या कॉन्सेप्ट है?

सबसे पहले मुझे मेकर्स की ओर से कॉल आया और फिर एक मीटिंग फिक्स हुई। जब मीटिंग में पहुंचा तो मुझे पता चला कि शो का हीरो ब्रह्मचारी है। मेरा पहला रिएक्शन यही था कि अगर लीड किरदार ब्रह्मचारी है, तो फिर वो लड़कियों को छुएगा नहीं और टीवी शोज का तो मूल ही रोमांस, क्लोज मोमेंट्स और सास-बहू ड्रामा होता है। तो फिर यह सब इसमें कैसे होगा?
हालांकि, फिर मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया रोमांस और वही पुरानी कहानियां। कुछ अलग करना चाहिए, कुछ हटकर। उस समय तक शो का टाइटल %पति ब्रह्मचारी% फाइनल नहीं हुआ था, लेकिन मन में एक सवाल था कि अगर वो पति होगा तो कुछ तो करेगा ही। कम से कम मांग तो भरेगा।
तब मेकर्स ने बताया कि एमपी और यूपी की तरफ कुछ जगहों पर सिक्के से मांग भरने की रीत है, तो उसी कॉन्सेप्ट को हम दिखाएंगे। वैसे भी, टीवी के इतिहास में ऐसा कोई शो नहीं बना है जिसमें मेन लीड ब्रह्मचारी हो। ये अपने आप में एक नया एक्सपेरिमेंट था। फिर मैंने सोचा कि मेकर्स पर भरोसा करना चाहिए और कुछ नया ट्राय करना चाहिए। इस तरह मैंने शो के लिए हां कह दी।

आपकी नजर में इस शो की क्या यूएसपी होगी, जो बाकियों से अलग हो?

हां, इस शो की स्टोरी इसकी सबसे बड़ी यूएसपी है। मैं डंके की चोट पर कह सकता हूं कि आजकल कई शोज शुरुआत में 10-12 एपिसोड तक अच्छे चलते हैं, लेकिन फिर शादी, रोमांस और सास-बहू ड्रामा शुरू हो जाता है। यहां भी सास-बहू ड्रामा है, लेकिन इसे बहुत रियलिस्टिक तरीके से दिखाया गया है। जैसे शादी के बाद लड़की घर आती है और हीरो चाहता है कि वह यहीं न रहे, चले जाए। यहां प्यार नहीं, बल्कि नफरत की कहानी है। हालांकि, दोनों के बीच अगर कोई प्यार का पल होता भी है, तो उसे ब्रह्मचारी होने की मर्यादा का ध्यान रखकर ही फिल्माया जाता है। उसे इसके अलावा, इस सीरियल में कई दिग्गज कलाकार काम कर रहे हैं, जो इसकी खासियत को और भी बढ़ाते हैं।

पति ब्रह्मचारी में आपका किरदार असल व्यक्ति से कितना मेल खाता है?

मैं बहुत छोटी उम्र में मुंबई शिफ्ट हो गया था और ठाणे के एक छोटे से चॉल में रहा करता था। उस समय का माहौल और चॉल में रहने का अनुभव मेरे बचपन का अहम हिस्सा है। खेल-कूद और दिनचर्या का तरीका भी काफी अलग था। ये सभी अनुभव मेरे किरदार को निभाने में बहुत मदद करते हैं। मेरे किरदार सूरज की सबसे खास बात यह है कि वह लड़कियों की इज्जत करता है और बिना वजह किसी से कुछ नहीं कहता। असल जिंदगी में भी मैं तब तक कुछ बोलता नहीं जब तक कोई मुझसे बात न करे। मैं मानता हूं कि ऊपर वाला सब देख रहा है और अगर आप किसी के साथ गलत करते हैं तो उसका नतीजा भी मिलता है। इसलिए मैं सही तरीके से और इज्जत के साथ लोगों के साथ व्यवहार करता हूं। अभी तक के करियर में कोई ऐसा किरदार रहा है, जिसमें आप इतने खो गए हों कि उससे बाहर निकलना मुश्किल हो गया हो?
जब मैं इस इंडस्ट्री में नया-नया था, तब कई बार ऐसा होता था कि किरदार से निकलना मुश्किल हो जाता था। मुझे याद है, जब मैं दंगल चैनल के शो पलकों की छांव में में काम कर रहा था, तो मेरा किरदार काफी नटखट और रोमांटिक था। कई बार ऐसा होता कि शूट के बाद घर आने पर भी मैं उसी अंदाज में बिहेव करता था। तब मेरी पत्नी मजाक में कहती थी कि अब बस करो, किरदार से बाहर निकलो। हालांकि अब मुझे उस बैलेंस का अनुभव हो गया है। अब मुझे अच्छे से पता है कि कब 'सूरज' बनना है और कब वापस 'आशीष'। अब मैं कोशिश करता हूं कि अपने किरदार को सेट पर ही छोड़ आऊं, ताकि घर पर पूरी तरह से अपनी असली जिंदगी जी सकूं।
इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और फिर नौकरी भी की। लेकिन फिर अचानक एक दिन छोड़ दी। वजह एक्टिंग में जाना था। उस समय परिवार का क्या रिएक्शन था?